



PM
SHRI
Creating holistic and well-rounded individuals
equipped with key 21st Century skills



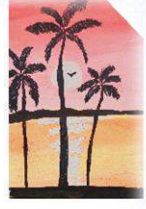
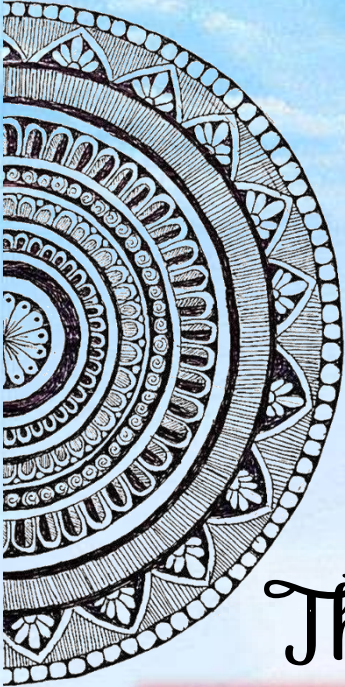
पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्र.3,
सागर (म.प्र.)

E-पत्रिका

नवांकुर

2024-25

The Budding Talents....





GRATITUDE



Patron

Mr. DIGG RAJ MEENA
Deputy Commissioner
KVS Jabalpur Region



तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन



Mentor

Mrs. DR. SAROJ DABAS
Asst. Commissioner
KVS Jabalpur Region



Navigator

Mr. DHARMENDRA BHARDWAJ
Principal
PM SHRI K.V. No.3, Sagar



Mr. Abhay Sen

Head Master
PM SHRI K.V. No.3, Sagar





पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्र:3, सागर



PM SHRI KENDRIYA VIDYALAYA NO.3, SAGAR



केन्द्रीय विद्यालय संगठन

OUR LUMINOUS STARS



केन्द्रीय विद्यालय संगठन

School Toppers Class XII (2023-24)

SCIENCE



AAYUSHI SAHU

94 %



TANISHA PATEL

91.4 %



GAURAVI SHARMA

86.4 %



पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्र:3, सागर



PM SHRI KENDRIYA VIDYALAYA NO.3, SAGAR



केन्द्रीय विद्यालय संगठन

OUR LUMINOUS STARS



केन्द्रीय विद्यालय संगठन

School Toppers Class XII (2023-24)

COMMERCE



RISHIKA JAIN

88.8%



HARSH JAIN

86.2 %



KAVYA RAJPOOT

85.6 %



पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्र.3, सागर
PM SHRI KENDRIYA VIDYALAYA NO.3, SAGAR



OUR LUMINOUS STARS

School Toppers Class X (2023-24)



JIGYASA SEN

88.4%



PUSHPENDRA SINGH

87.6%



AVIKA DWIVEDI

87.2%

संपादक मंडल



प्रथम पंक्ति (बाएँ से दाएँ)- श्री सुरजीत सिंह दांगी, श्री राजू लोधी , श्रीमती कोमिला मिरानी, श्रीमती रश्मि मिश्रा, श्री धर्मेन्द्र भारद्वाज (प्राचार्य), श्री संतोष कुमार नेमा, श्री रामसहाय दांगी, श्री कमलेश कुमार जैन ,श्री कृष्णकांत पाण्डेय ।

विद्यालय परिवार



प्रथम पंक्ति (बाएँ से दाएँ)- श्रीमती अंजना सिंह गौर, श्रीमती भारती मिश्रा ,श्रीमती कोमिला मिरानी, श्रीमती रश्मि मिश्रा, श्रीमती मंजूषा पाईक, श्री धर्मेन्द्र भारद्वाज (प्राचार्य), श्री संतोष कुमार नेमा, श्री दीपक कुमार शर्मा, श्री अरविंद कुमार, श्री आर.के . नामदेव, श्री कृष्णकांत पाण्डेय ।

दूसरी पंक्ति (बाएँ से दाएँ)- श्रीमती रीना रानी, श्रीमती त्रिशला , श्रीमती संजू पटेलश, श्रीमती रश्मि राजपूत , श्रीमती सरिता सोनी ,श्रीमती शैली उपाध्याय, श्रीमती छाया तिवारी, श्री कमलेश कुमार जैन, श्री राकेश रेशन, श्री रामसहाय दांगी, श्री ब्रजेश कुमार पौराणिक, श्री सत्यप्रकाश चौकसे, श्री अनिरुद्ध राठौर, श्री सुरजीत सिंह दांगी ।

तीसरी पंक्ति (बाएँ से दाएँ)- श्रीमती अनामिका पटेरिया, कु. शिरोमणि सेन, कु. सुदीति गौतम, कु.श्वेता शर्मा, कु. आकांशा वर्मा, कु. गायत्री प्रजापति , कु. श्वेता दादर, कु. नेहा यादव, कु. दीपशिखा पटेल, श्री इंद्र प्रताप मिश्र, श्री विक्रान्त, श्री संदीप कुमार यादव, श्री मोहम्मद आतिफ, श्री राजू लोधी, श्री दीपक ठाकुर, श्री गोपाल लाल सैनी, श्री संदीप यादव, श्री नितिन शर्मा, श्री देवांश यादव ।

नवांकुर : THE BUDDING TALENTS

नौवां पुष्प (वर्ष : 2024-25)

मुख्य संरक्षक

सुश्री निधि पाण्डेय (I.I.S.)
आयुक्त, के.वि.सं. नई दिल्ली

संरक्षक

श्री दिग्ग राज मीना
उपायुक्त, के.वि.सं. जबलपुर संभाग

सह संरक्षक

श्रीमती सरोज डबास
सहा. आयुक्त के.वि.सं., जबलपुर संभाग

मार्गदर्शक

श्री दीपक आर्य (I.A.S.)
कलेक्टर, जिला सागर एवं अध्यक्ष
वि. प्र. स. पीएम श्री के.वि.क्र.-3 सागर

श्री सर्वेश उपाध्याय

अपर कलेक्टर (प्रशासन) सागर एवं नामित अध्यक्ष
वि. प्र. स. पीएम श्री के.वि.क्र.-3 सागर

निर्देशन

श्री धर्मेन्द्र भारद्वाज
प्राचार्य, पीएम श्री के.वि. क्र.-3 सागर

संपादक मंडल

श्रीमती रश्मि मिश्रा
श्रीमती कोमिला मीरानी
श्री संतोष कुमार नेमा
श्री कृष्णाकान्त
श्री आर. एस. दांगी
श्री कमलेश कुमार जैन
श्री राजू लोधी
श्री सुरजीत सिंह दांगी

तकनीकी सहयोग

श्री सुरजीत सिंह दांगी
(कंप्यूटर प्रशिक्षक)

मुख्य पृष्ठ एवं रंगीन पेज डिजाइन

श्रीमती सावित्री कुमारी
(कला शिक्षिका)

श्री सुरजीत सिंह दांगी
(कंप्यूटर प्रशिक्षक)

CHIEF PARTON

Ms. Nidhi Pandey (I.I.S.)
Commissioner, K.V.S. New Delhi

PATRON

Mr. Digg Raj Meena
Deputy Commissioner, K.V.S.
Jabalpur Region

CO PATRON

Smt. Saroj Dabas
Asst. Commissioner, K.V.S., Jabalpur Region

MENTOR

Shri Deepak Arya (I.A.S.)
Dist. Collector, Sagar & Chairman,
V.M.C., PM SHRI K.V. 3 Sagar

MR. Sarvesh Upadhyay

UPPER COLLECTOR (ADD.) Sagar & Nominee Chairman
V.M.C., PM SHRI K.V.3 Sagar

DIRECTION

Mr. Dharmendra Bharadwaj
Principal, PM SHRI K.V. No. 3 Sagar

EDITORIAL BOARD

Mrs. Rashmi Mishra
Mrs. Komila Mirani
Shri. Santosh Kumar Nema
Shri Krishnakant
Shri R.S. Dangii
Shri. Kamlesh Kumar Jain
Shri. Raju Lodhi
Shri. Surjeet Singh Dangii

TECHNICAL SUPPORT

Shri. Surjeet Singh Dangii
(Computer Instructor)

COVER & COLOUR PAGE DESIGN

Mrs. Savitri Kumari
(TGT Art)

Shri. Surjeet Singh Dangii
(Computer Instructor)



केन्द्रीयविद्यालयसंगठन / KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN
जबलपुर संभाग, जीसीएफ एस्टेट / JABALPUR REGION, G.C.F. Estate
साईंस कॉलेज के पीछे / Behind Science College
जबलपुर – ४८२०११ (म०प्र०) / Jabalpur 482011 (M.P.)
Email : ro-jabalpur@kvs.gov.in
DC/AC: 07612678381/ 07612678390 web.: rojabalpur.kvs.gov.in

संदेश



मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 3 सागर, अपनी नवम विद्यालय पत्रिका “ नवांकुर The Budding Talents..... “ का प्रकाशन करने जा रहा है। विद्यालय पत्रिका वर्ष की गतिविधियों की सम्पूर्ण झाँकी प्रस्तुत करती है, जिसके माध्यम से विद्यालय की समस्त विशेषताओं एवं उपलब्धियों को जानने का अवसर मिलता है।

विद्यालय पत्रिका शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की सृजनात्मकता को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसमें प्रकाशित होने वाले लेख, कहानी, कविताओं तथा अन्य रचनाओं का संकलन विद्यालय के छात्रों एवं शिक्षकों द्वारा किया जाता है; अतः यह बच्चों की प्रतिभा को निखारने के लिए अनुपम अवसर प्रदान करती है।

मैं पत्रिका के लेखन और प्रकाशन के कार्य में जुड़े सभी शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं का विशेष रूप से धन्यवाद ज्ञापन करता हूँ एवं प्राचार्य से यह अपेक्षा करता हूँ कि केंद्रीय विद्यालय संगठन के लक्ष्य के अनुरूप विद्यालय में सभी पाठ्यसहगामी क्रियाओं का सुचारू रूप से संपादन करते रहेंगे ताकि बच्चों का बहु-आयामी विकास संभव हो सके।

शुभाकांक्षी

(दिग्ग राज मीना)
उपायुक्त
केंद्रीय विद्यालय संगठन
जबलपुर संभाग



केन्द्रीयविद्यालयसंगठन / KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN
जबलपुर संभाग, जीसीएफ एस्टेट / JABALPUR REGION, G.C.F. Estate
साईंस कॉलेज के पीछे / Behind Science College
जबलपुर - ४८२०११ (म.प्र.) / Jabalpur 482011 (M.P.)
Email : ro-jabalpur@kvs.gov.in
DC/AC: 07612678381/ 07612678390 web.: rojabalpur.kvs.gov.in

संदेश



मेरे लिए यह अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि इस संभाग के अधीनस्थ पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय 3 सागर द्वारा वार्षिक पत्रिका नवांकुर -THE BUDDING TALENT... 2024- 25 का प्रकाशन किया जा रहा है किसी भी विद्यालय की पत्रिका उस विद्यालय का दर्पण होती है उसी से विद्यालय की सांस्कृतिक, शैक्षिक, खेलकूद एवं अनेक रचनात्मक गतिविधियों के साथ-साथ साहित्यिक अभिरुचि का भी पता चलता है विद्यालय पत्रिका इस बात का प्रमाण है कि शिक्षार्थियों के समुचित सकारात्मक सर्वांगीण एवं रचनात्मक विकास हेतु विद्यालय परिवार प्रतिबद्ध है विद्यालय पत्रिका प्रकाशन पर मैं उन सभी अभिभावकों, शिक्षार्थियों, शिक्षक - शिक्षिकाओं तथा विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों को धन्यवाद देती हूँ, जिन्होंने इस पत्रिका हेतु अपनी रचनाएं एवं कलाकृतियां प्रकाशनार्थ देकर प्रोत्साहित किया। मैं विद्यालय पत्रिका के संपादक एवं संपादक मंडल को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूँ। इस विद्यालय पत्रिका के प्रकाशन से छात्रों में निहित रचनात्मक प्रतिभा उभर कर सामने आ सकेगी तथा इन्हीं बाल कलाकारों में से भविष्य में कुछ अच्छे चित्रकार, पत्रकार, लेखक एवं कवि के रूप में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने में सफल होंगे। मैं पत्रिका के सफल प्रकाशन की शुभकामनाओं सहित विद्यार्थियों, अध्यापकों व प्राचार्य के अथक प्रयास हेतु बधाई देते हुए उनके सफल और उज्ज्वल भविष्य की कामना करती हूँ। एक बार पुनः समस्त विद्यालय परिवार को वार्षिक विद्यालय पत्रिका नवांकुर -THE BUDDING TALENT... के प्रकाशन की बधाई एवं शुभकामनाएं।

शुभाकांक्षी

(डॉ. सरोज उबास)

सहायक आयुक्त

केंद्रीय विद्यालय संगठन जबलपुर संभाग

दीपक आर्य

आई.ए.एस.

कलेक्टर, जिला सागर



(कार्या.) 07582 - 221900

(निवास) 07582 - 222622

(फेक्स) 07582 - 222070, 224543

E-mail : dmsagar@nic.in

कार्यालय कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, सागर

अर्द्ध सा.पत्र क्र.

सागर, दिनांक

संदेश



मेरे प्यारे शिक्षार्थियों,

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 3 सागर अपनी वार्षिक पत्रिका नवांकुर -THE BUDDING TALENT... प्रकाशित करने जा रहा है प्रस्तुत वार्षिक पत्रिका प्रत्येक वर्ष विद्यालय की प्रगति को परिभाषित करती है और विद्यालय गतिविधियों को दर्शाते हुए स्मरणीय बनती है मैं आशान्वित हूँ कि वर्तमान सत्र में विद्यालय अपनी पूर्व उपलब्धियों में उत्तरोत्तर वृद्धि करेगा। मेरा विचार है कि शैक्षणिक कुशलता मात्र पुस्तकीय ज्ञान द्वारा प्राप्त नहीं होती अपितु विद्यार्थियों के संपूर्ण व्यक्तित्व का विकास करके ही उन्हें कुशल बना सकते हैं जिससे वह वैश्विक भविष्य हेतु तैयार हो सके।

मैं विद्यालय परिवार, संपादकीय समिति एवं प्राचार्य श्री धर्मेन्द्र भारद्वाज को धन्यवाद देते हुए इस पत्रिका के प्रकाशन हेतु हृदय से शुभकामनाएं देता हूँ। मेरा विश्वास है कि प्रस्तुत पत्रिका हमारे लिए विगत वर्ष की भांति ही ज्ञानवर्धक एवं रुचिकर होगी, तथा विद्यार्थियों की सृजनात्मक प्रतिभा में वृद्धि करते हुए इस वर्ष की उपलब्धियों का स्मरण करायेगी।

अंत में मैं विद्यालय परिवार को इस पुनीत कार्य हेतु शुभकामनाएं एवं बधाई देता हूँ।

॥ जय हिंद ॥

(दीपक आर्य)

कलेक्टर

जिला-सागर

अध्यक्ष,

विद्यालय प्रबंधन समिति,

पी एम श्री के. वि. क्र. 3 सागर



संदेश

यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 3 अपनी विद्यालय पत्रिका नवांकुर -THE BUDDING TALENT... 2024-25 का प्रकाशन करने जा रहा है हम सभी जानते हैं कि प्रत्येक पत्रिका अपने आप में एक मील के पथर के समान होती है यह उपलब्धियों को चिन्हित करने के साथ-साथ कल्पना को नई दृष्टि प्रदान करती है तथा विचारों एवं आकांक्षाओं को नवजीवन देती है। नवांकुर एक ऐसा मंच है जहां छात्रों के रचनात्मक कौशल को लेखन एवं कलात्मक कार्य के माध्यम से प्रस्तुत किया जा रहा है मुझे पूर्ण आशा है कि यह पत्रिका नवोदित लेखकों एवं कलाकारों को अपने कौशल की प्रस्तुति में सहायक सिद्ध होगी एवं नवाचार का एक प्रमुख मंच बनकर हमारे सामने आएगी। अंत में, मैं केंद्रीय विद्यालय क्र. 3 के प्राचार्य श्री धर्मेन्द्र भारद्वाज, संपादक मंडल एवं संपूर्ण विद्यालय परिवार को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ और आशा करता हूँ कि हमारा विद्यालय उपलब्धियों के नए आयाम को प्राप्त करें और प्रगति के पथ पर सतत अग्रसर हो।

(सर्वेश उपाध्याय)

अपर कलेक्टर (प्रशासन) सागर एवं

नामित अध्यक्ष

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 3 सागर



पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्र.3

PM SHRI Kendriya Vidyalaya No.3

सागर, जबलपुर संभाग

Sagar, Jabalpur Region

शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के अधीन स्वायत्त निकाय

Autonomous Body under Ministry of Education, Govt. of India

सीबीएसई संबद्धता संख्या : 1000079 सीबीएसई विद्यालय संख्या : 54139



संदेश

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 3 सागर, सत्र 2024-25 के निमित्त अपनी वार्षिक विद्यालय पत्रिका रूपी रचना पुष्प को अपने प्रतिभासंपन्न, प्रबुद्ध, संवेदनशील, उदार हृदय पाठकों के कर कमल में समर्पित करने का सौभाग्य मुझे प्राप्त हुआ है।

विद्यालय पत्रिका नन्हें मुझे बाल कलाकारों की सुषुप्त रचनात्मक प्रवृत्ति को अंकुरित कर उसे पल्लवित और पुष्पित करने का सरल सुगम साधन है। विद्यालय के स्तर पर विद्यार्थियों को सृजनात्मक बनाना, उन्हें अपनी भावनाओं को प्रकट करने का अवसर प्रदान करना ही भावी स्वस्थ समाज के लक्षण हैं।

पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ हैं।

प्रकाशन कार्य में संबद्ध समस्त विद्यार्थियों, शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं अन्य कर्मचारियों को कोटिशः धन्यवाद एवं शुभकामनाएँ समर्पित करता हूँ; जिनके अथक प्रयास सहयोग और दिशा निर्देशन में यह विद्यालय पत्रिका प्रकाशित होने जा रही है।

(धर्मेन्द्र भारद्वाज)

प्राचार्य

पी एम श्री के. वि. क्र.3 सागर



संपादक की कलम से

“ जैसी हमने पाई दुनिया, आओ इससे बेहतर छोड़ें।
शुचि-सुंदरतम इसे बनाने से मुंह अपना कभी ना मोड़ें।।

साहित्य व रचनाधर्मिता से इस संसार को सुंदर बनाया जा सकता है। विद्यालय पत्रिका नवांकुर “The Budding Talents” के प्रस्तुत अंक में विद्यालय के रचनाकारों ने रचनाधर्मिता के उद्देश्य को अपने रचनात्मक सृजन से प्राप्त करने का सार्थक प्रयास किया है। विद्यालय के रचनाकारों ने उत्साह दिखाते हुए विविध विषयों व विधाओं पर हिंदी, अंग्रेजी व संस्कृत में अपनी लेखनी चलाई है रचना यज्ञ के पुनीत कार्य में जिन रचनाकारों ने आहुति के रूप में अपनी रचना प्रकाशनार्थ दी है वह साधुवाद के पात्र हैं। मैं विद्यालय ऊर्जावान प्राचार्य श्री धर्मेन्द्र भारद्वाज की आभारी हूँ जिनके कुशल मार्गदर्शन में विद्यालय पत्रिका को साकार रूप दिया जा सका। मैं संपादक मंडल के सभी सदस्यों की आभारी हूँ जिनके सार्थक व निरंतर प्रयासों से यह संभव हो सका।

साथ ही मैं संपूर्ण विद्यालय परिवार की भी आभारी हूँ जिन्होंने इस पत्रिका प्रकाशन में अपना अमूल्य योगदान दिया। आशा है विद्यालय पत्रिका के प्रस्तुत अंक द्वारा हम मानव मस्तिष्क को परिष्कृत करने के इस प्रयास में सफल हो सकेंगे। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप सभी पाठकों का प्रेम व प्रोत्साहन हमारे इस प्रयास को सफल बनाएगा। भविष्य में अनुभूतियों की रचनात्मक अभिव्यक्ति के साथ

(रश्मि मिश्रा)

स्नातकोत्तर शिक्षिका हिंदी

पी एम श्री के. वि. क्र.3 सागर



ENGLISH

NCC TRAINING EXPERIENCE

ONE STEP TOWARDS UNITY AND DISCIPLINE. "THAT LIFE COURAGE. TRAINING HELPS TO GAIN WHAT SOCIETY FEARS TO FIND .THE CONFIDENCE TO MOVE MOUNTAINS, THE COURAGE TO STAND UP AND FIGHT FOR NATION. MY FIRST CAMP WAS CATC. I LEARNED LOT OF THINGS IN THAT CAMP. PERSONALLY THERE ARE NO OF THINGS WHICH I NEVER THOUGHT OF DOING BUT WITH THE HELP OF CAMP I LEARNED TO MANAGE ALL OF THEM.

NCC ACTIVITIES ARE NOT JUST FOR FUN AND GAMES THESE ARE FOR OVERALL DEVELOPMENT OF A BETTER PEOPLE AND A BETTER SOCIETY. IN OTHER WORD WE CAN SAY IT IS SERVICE TO NATION . THE TIME WE DEVOTE IN NCC WILL NOT BE WASTED BUT WILL BE USE IN BETTER WAY . TRAINING OF NCC DEVELOPED OUR PERSONALITY AND CHARACTER TRAITS . WE USED TO DO MANY ACTIVITIES LIKE MAP READING, SHOOTING, DRILL, FC - BC - OT, QUIZ ETC . IT WAS A TRAINING SCHEDULE COVERING A WIDE SPECTRUM RANGING FROM SOFT SKILL TO MILITARY ACTIVITIES LOAD , AIM , FIRE ! THIS IS NOT JUST COMMAND. LIFE BETWEEN 25 YARDS AND 5 ROUNDS LYING ON THE GROUND. IT'S A BLESSING THERE WERE MANY CADETS EVERYONE PROUD OF THEIR LUCK . WE WERE EVEN TAUGHT ABOUT UNITY AND DISCIPLINE AND ALSO THAT WE CAN SERVE OUR NATION WITHOUT BEING IN MILITARY. WE CONSIDER THE EXPERIENCE MORE EDUCATIONAL AND APPLICABLE. FOR INSTANCE IT HELPED US IDENTIFYING THE POTENTIAL DURING CAMP WITH OTHER CADETS AS TEAM". ALL INDIANS ARE MY BROTHER AND SISTER " THE PLEDGE SAID BUT NCC CAMPS PROVES IT .

KRISHNA KORI

10 A



NATURE



*Very beautiful, just like a dream,
Gives us awesome things, as sweet as cream.*

*Nature gives us many things,
Provides butterfly with its wings.*

*It has several kinds of creatures,
Many have some extraordinary features.*

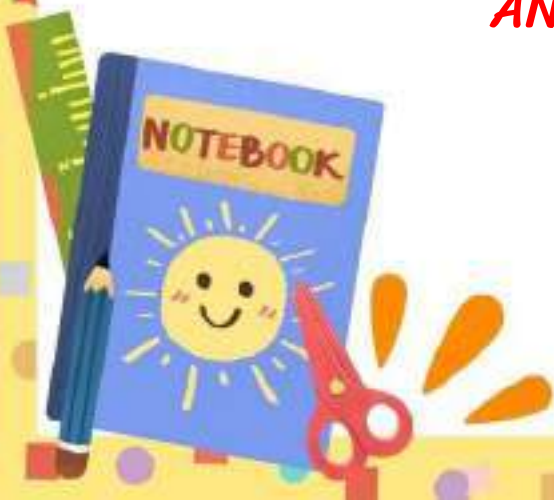
*I love listening to the sounds of nature,
I totally forget about being mature.*

*Nature is a beautiful gift,
Which we always want to lift.*

*I love the nature and its beauty,
To save it is really our duty.*

ANUSHKA CHOUHAN

10 A



RAJGURU

Rajguru was a great indian revolutionaries.

Rajguru was bron on 24 August 1908.

He was born in a village in the pune district, Maharashtra.

His father's name was Hari Narayan and his mother's name was Parvati Bai.

Rajguru's full name was Shivaram Hari Rajguru.

He completed his studies in Sanskrit subject from Varansi.

Rajguru joined the Hindustan socialist republic association at a very young age.

He was well versed in Indian scriptures.

He joined the Hindustan Socialist Republican Association[HSRA] in his late teens.

The HSRA was founded in 1928 by Chandrasekhar Azad, Bhagat Singh and others.

Rajguru believed in Aggressive Nationalism and thought that oppression was to be met with Ferocity.

Rajguru became a good friend of Bhagat Singh and Sukhdev.

Rajguru, Bhagat Singh ,and Sukhdev were hanged in Lahore Central Jail on 23rd March 1931.

ANIRUDHA SONI

10 A



START WHERE YOU STAND

*The past won't help you in beginning new,
If you have left it all behind at last Why, that's enough, you're
done with it,
You're through;*

*This is another chapter in the book,
This is another race you have planned,
Don't give the vanished days and
backward look*



*Started where you stand.
The world wouldn't care about
your old defeats*

*If you can start a new and win success,
The future is your time, and time is fleet
And there is much of work and
strain and stress*

*Forget the buried woes and dead despairs
Here is a brand new trial right at hand
The future is for him who does and dares
start where you stand.*

Vaishnavi Pathak

10 A

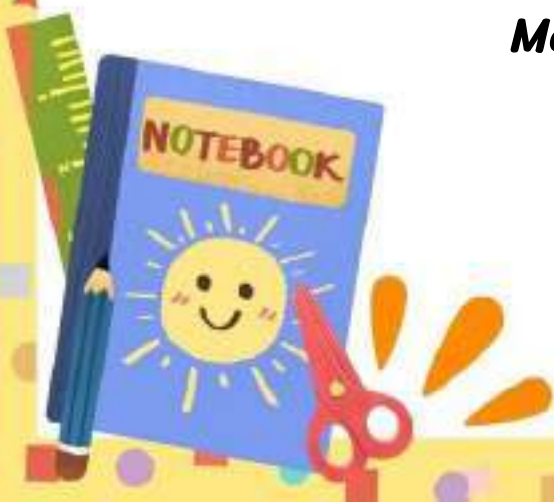


IPL 2024

- * IPL 2024 was a memorable season for all the fans. This year also fans got huge level of enjoyment and happiness, but some fans were disappointed by their favourite team or players
- * Mumbai Indians shocked everybody by their decision captain Rohit Sharma and making Hardik Pandya as the new captain of team almost every fan of MI was by this change.
- * Chennai Super Kings - This was emotional season for all Csk fans as they all know that this was the last season for Dhoni.
- * * This season for RCB was like a Roller coaster as they lost 6 matches out of 7 in the beginning but then they comeback and from 1% chance to qualify, such a tough situation but "Tough times never last but tough people do", they won their all remaining matches and qualified for the eliminators. Their message was clear mm- "Do not lose hope in any difficult situation". But unfortunately they lost in eliminator against Rajasthan Royals.
- * The orange cap of the season award was won by Virat Kohli, as he scored the highest runs in the season
- * Shreyas Iyer, KKR Captain, KKR won the IPL 2024, Goutam Gambhir backed the team this year as a mentor.
- * This season was a season in which 250+ score was scored more than 5 times, and also chased by Punjab kings.

Manthan Mishra

12 B



BEING A 12TH GRADER



Be in the 12th grade student is a roller coaster of emotions. On the positive side it's an exciting time filled with the anticipation of entering into a new phase of life and having the freedom of getting adulthood however it can also be over well being due to the presence of board exams and the uncertainty of future plans and balancing act of academic and personal life. It's the thrill of nearing the end of school forming deep bonds with friends and sharing memorable moments with teachers, who started to feel more like mentors on the other hand it comes with the stress felt like something will be left at last my heart with each passing day trying to make it realise but couldn't.....the reality that only our teachers with their dedication and endless patience had become more than just educators they were mentors which may be we can't realise now but surely in future... ..the attendance which feels like a burden today will seem to get only one chance to visit school.

Khushi Tiwari

12 A



CABINET OF OUR BODY

brain -the Prime Minister lungs -the Home Minister heart -the Finance Minister

skin -the Defence Minister

Legs -the transport minister

stomach -the Food and Agriculture Minister

Eye - the law ministers

Tejaswani patel

12 A



FUNNY DEFINITIONS

College - A Place where Papa pays and son Plays .

College Canteen - A Place which gives shelter to the refugees fled from the classroom.

Discipline - A Word which is missing from student's dictionary.

Pocket - That which is mostly empty except first few days of months.

Doctor - One who Charges before discharging the patient.

Love - A series of magnetic attraction and repulsions.

Playful- It is like Ugar that begins with flashes and ends in ashes.

Husband - Harassed, under suspence, but not allowed to die.

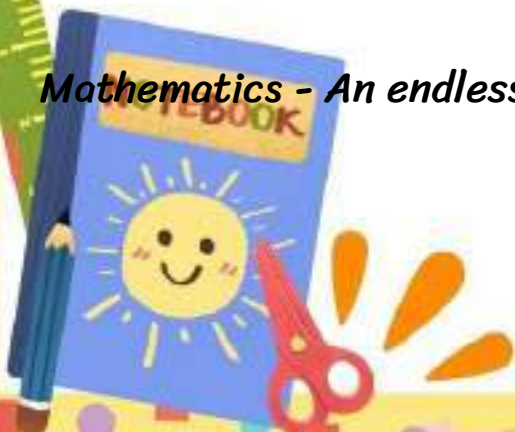
Wife - The only boss is the house.

Advice - A Thing which everyone needs and everyone gives but no one takes.

Mathematics - An endless war between piece of chalk and duster on the blackboard.

Poyal Chourasia

12 A



A DIFFERENT CHOICE

It is a stereotype in our society that students who are good in studies are supposed to pursue science for career building. When I completed my 10th standard at school, I was the topper of my school. People around me expected that I would pursue science stream in class 11th but I didn't have much interest in studying Science, so I chose Commerce for my further studies. There were people who criticized me for this decision but my parents supported me. It was totally a new subject for me. Now, when I am writing this, I feel that it was a good decision. Maybe, if I had chosen science due to the influence of others I might have regretted it because I wouldn't be able to build my interest in the subject. There are many career opportunities in every stream but in our society still students are sometimes forced or influenced to do something in which they are not really interested. This pressure also causes depression. In my perspective, it is good to choose something different even if it is uncommon in the society rather than regretting the whole life. At the end, I would say that less trodden paths are difficult to walk upon, but the experience is always ecstatic.

Sanskriti Jain

12 B



YOGA VS MEDITATION

Many people think yoga and meditation are interchangeable or that they are the same things. Though they are connected yoga meditation differs from other meditation practice. Yoga is an ancient spritual practice from India that uses breath control, physical exercise, and meditative posture. The practice of yoga use "asanas " or various physical poses to achieve a divine connection with the universe . In fact, the word yoga means "union" in sanskrit. Some people refer to yoga as moving and create awareness through doing the poses.

Meditation or dhyana is also a part of yoga. Like the physical practice of yoga , dhyana also forms a prefound connection with the universe by doing mental exercise to bring you to a higher state of consciousness. This connection happens in shavasana when you are in a meditative , peaceful state.

Some people refer to yoga as moving and create awareness through



Aanya Rajak

12 B



OUR GUIDING LIGHTS !!

DEDICATED TO ALL MY RESPECTFUL TEACHERS...

School teachers play a pivotal role in shaping the life of student not just academically but also personally they are the guiding lights that illuminate the path to knowledge , growth and success... In our school ,teachers are not just educator ; they are mentors motivators and role models who leave lasting impact in our life.



Teachers create a nurturing environment where student can thrive learn and explore their potential they impart knowledge, instill values and encourage critical thinking .

That classroom they offer support , guidance and a listening ear to student facing challenges. Their dedication to the passion inspire us to reach for the stars and never give up on our dreams..

School teachers are unsung heroes in our lives , guiding us through the ups and downs of our educational journey there influence goes beyond the classroom , leaving an indelible mark on our hearts and minds . let us always remember to appreciate and honour the dedication, hard work and love our teachers to put into shaping future generation..

DEEPALI DUBEY

12 A



LIFE CAN NEVER BE SAME AGAIN

This story is about a 17 year old boy. His life is full of luxury and happiness. Everyone in his family is very supporting and caring towards him but this boy never pay respect and gratitude to his elders . He is happy in his life but always ignores his parents and grandparents. According to him parents and grandparents are not important and they are only for giving money and luxury but , after few months something happens that change his life and he realises "Life can never be same again "



What happened??

Tuesday, Early morning his mother knocked the door and asked, Are you coming? No he replied . "Fine then we are leaving" his mother said they all went for a trip this boy played games and enjoyed in life with his friends in the absence of his parents. Suddenly his phone rang as usually he ignored it . "bro why you are not picking your mom's call" his friend asked. " I don't like her My parents are not modern and valuable to me. They are just a waste they always impose their decisions and their over protective always " he replied. After 2 hours again his phone rang but this time it was an unknown number . He picked up a call "Your parents car crashed into a truck " Someone said . He immediately ran to the hospital he summoned all his strength to looking at his parents and suddenly this boy realised his mistake. He regretted that why he didn't pick his mother's call and why he considered them as useless now he realised his parents value and and their importance.

MESSAGE - Elders , parents are not useless they are very important for you sometimes they are overprotective but no one can protect you better than your parent when you are in trouble.

GO AND GIVE THEM A BIG HUG

GO BEFORE ITS TOO LATE.

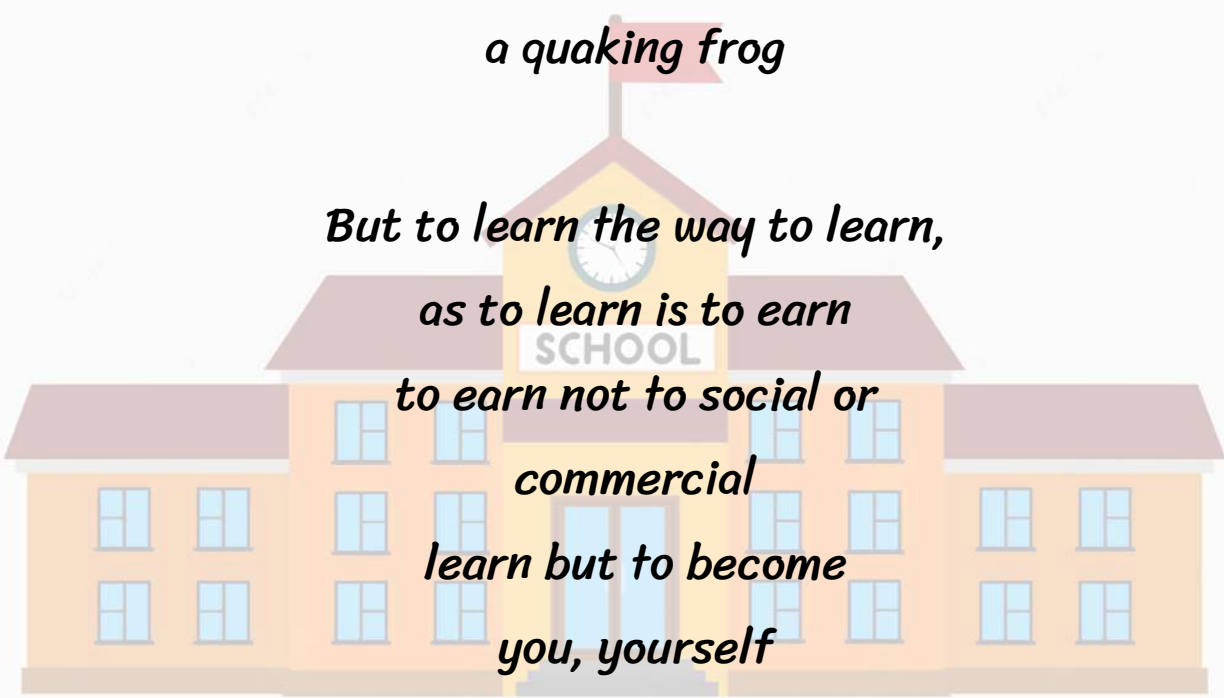
Vedika Shrivastava

12 B



SCHOOL

*Go to school to become a cog
Or go to school to be the fool
Who refuses to become a cog or
a quaking frog*



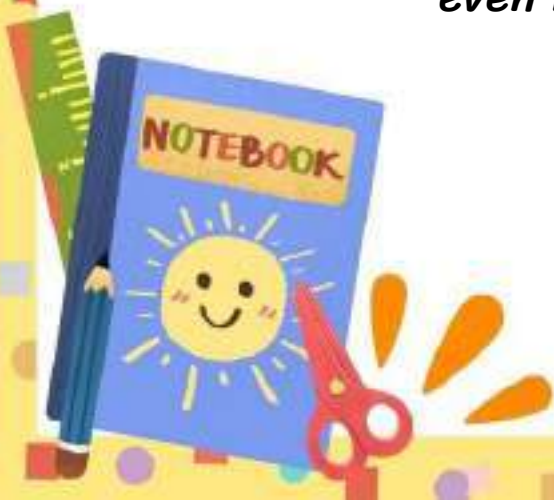
*But to learn the way to learn,
as to learn is to earn
to earn not to social or
commercial
learn but to become
you, yourself
and what is beyond you*

*with due respect and regards to cogs
and frogs*

*Don't you want to be
more ...
even far more than the more?*

Sahil Prajapati

12 A



A JOURNEY TO KEDARNATH

Standing in front of kedarnath temple feeling as if all the negative energy is drifting away from my body, feeling of calmness and internal peace which I have never felt before. The cold wind breeze, touching my skin a hint of shiver, but all I feel is a heart full of spiritual energy. It all started on 2nd of June 2019, my father came up to me and said Bhoomi, how about a trip to Kedarnath? I was confused because we had just come back from Indore two days ago and were relieving all the fatigue from that trip. I was in 7th grade that time and I didn't know much about Kedarnath. I said yes let's go. Two days later, I was sitting in my car, 'yes you heard that right', we went to Kedarnath by our car, an Innova. On this trip it was me, my mom, my dad and my sister. Our journey to Delhi was easy because I had a lot of experience with travelling by car. Our first stop was Delhi and then on 6th June. We went to Rishikesh finding a room in Rishikesh was such a Challenge but the one we found seemed best in the world at that time.

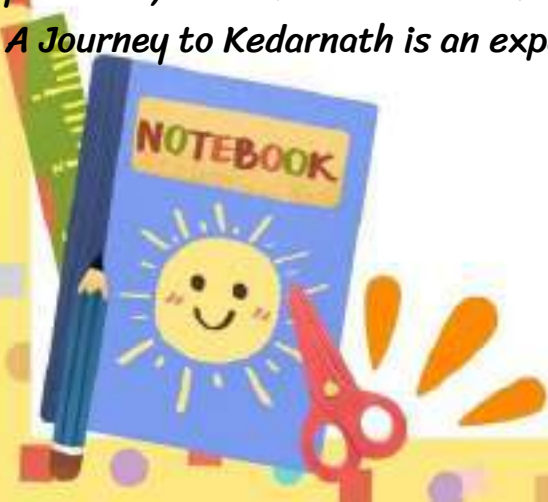
Next morning we went to take a dip in holy Ganga river, the water was freezing cold, when the water touched my skin all the worries in the world become insignificant to me, people used to often say that we go to Ganga to wash away all our sins. I didn't believe in that fact but when the Ganga water touched my skin I could feel all the negative energy leaving my body. Then we headed to Guptkashi. On the way, I saw the awe-inspiring sight of sangam in 'Devprayag' where Alaknanda and Bhagirathi river merge to form Ganga. It was a sight to behold.

We reached Guptkashi at night, it was the base camp for pilgrims. We had to wake up at 4am the next day to start the 16 km trek journey on the back of a horse. My horse was a magnificent white, the most beautiful creature for me and I named it 'Bhuri'. Horse riding was a fun experience but riding a horse for about eight hours was a task, my back was hurting as hell. When we reached the temple it was filled with spiritual energy and serene beauty. In one word I would say it was mesmerizing. The Kedarnath temple, is an ancient temple dedicated to Lord Shiva, there were thousands of people standing in line to get in. I played around a bit, which I shouldn't have, I left my mom & dad and went inside the line in the middle and got in and out of temple worrying my parents. They were scared that I had got lost, then once again with them I went inside the temple. In total I visited the temple twice, to be honest it was the best experience in my whole life.

A Journey to Kedarnath is an experience which I can never forget and I wish to go back there again, again

Bhoomi Yadav

12 A



LIFE

One thing you learn at any age of your life , that everything is temporary in this whole universe. You came alone and repent alone . Everyone just stick to your result not your hardwork, be ready to face failure don't be scared of it because if you don't face failure, you can't face success. Throughout your journey of life from new born baby to old person, each step of your life there is twist and turn, problems are there but also a happy moment. Don't waste your time because everyone will respect you when you become successful. Don't think what people think because that's your life. Enjoy every moment and learn a lesson from your bad days and time. Work hard; You can't change your destiny but can change your habits which change you.

" Don't change your smile for this world, let your smile change the world"

Zaheen Sami

11 A

Life



CREATIVE WRITING

GLOBAL WARMING.....

Global warming is increasing day by day which is very destructive for our environment and living of earth. Because of global warming earth's ozone layer which is protector of earth from ultra violet radiation is being depleted. These ultra violet radiation are very harmful for earth's surface and living of earth. Global warming is increasing due to deforestation in all areas of earth because trees are the source of oxygen which makes ozone layer. Because of global warming temperature is also increasing day by day we know that temperature is going on 50° to 60° nowday's .

SAVE THE PLANET

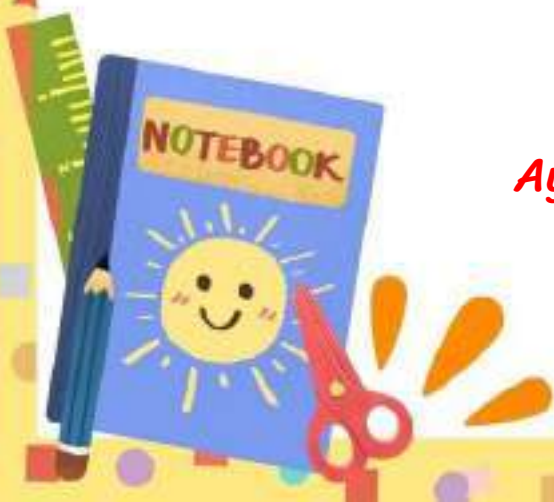


If we want to stop global warming.....we should use bicycle for traveling in short distance. Don't use AC , Refrigerator.....etc , Do Afforestation..

A global warming is not just a warming it is Global Problem...

Ayushi Chourasia

11 A



CREATIVE WRITING

DRUG FREE INDIA

• Drug, a poison for whole country which is Lethal to our health .As we all know that the intake of drugs cigarette etc, are increasing rapidly throughout the whole But those who know that even they are also addicted to drugs. This is the age group from where we start these bad habits. Young boys of 15 - 16 years old are also addicted to smoking which can cause cancer , mental health issues, etc. All drugs are not harmful, like taxal, etc, which are used as medicine for the treatment of cancer, but mostly drugs are harmful . Therefore , we must create awareness among people to leave this lethal habit and live a healthy long life . Drugs are the cause of early age death so leave drugs and eat healthy meal and make India DRUG FREE INDIA ...!!



Sanskriti Tiwari

11 A



ILLUSION

*I've come to the conclusion That the whole world is an illusion.
What is the deal?*

*This script written in our minds, All the
wonders you will find, Perhaps none of
it's real.*

*The ground, the sky, the entire world,
It all seems like a massive swirl.*

*The trees, the sun, rivers, and grass,
The glimmering stream,
It was only a dream, Even that bird who
you just saw pass.*

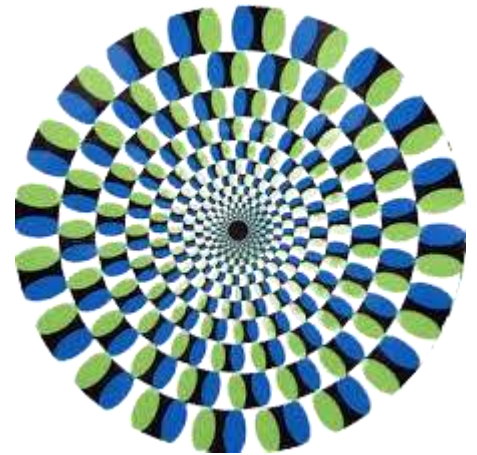
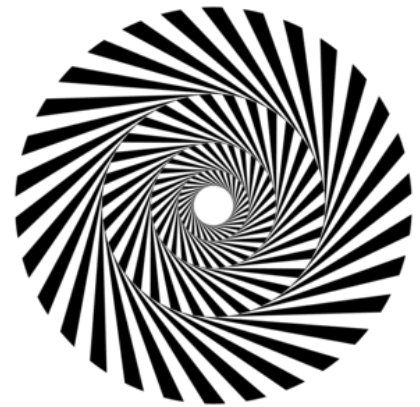
*The people, bustling about the streets,
Only in your dreams do you truly meet.
Who is this person that you call friend?
They too, do not exist,
It does seem odd to think like this.*

*I wonder if the imagination has an end.
In front of our eyes is the landscape, But
only in our heads does it actually take
shape.*

The mind is strange

*The world, just a figment of our imagination, Simply a neurologi-
cal creation, But nothing will ever change.*

*An illusion, the world may be, But that does not mean you have to
stop the discovery*

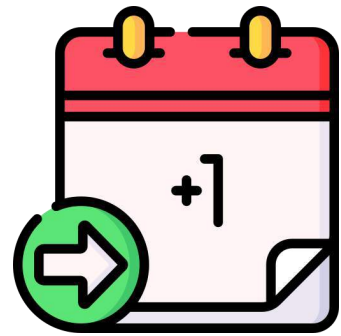


Sudiksha Daksh

11 A



TOMORROW



*Tomorrow smile at someone
When you've never seen before
Take time to think of others
Whom you feel compassion for.*

*Tomorrow tell somebody
How they brighten up your day
Let random acts of kindness
Put your feelings on display.*

*Be sure to think of all the things
You can be thankful for
Thank your god for granting for*

Another day of life.

Ritveeka Mahore

11 A



SEASONS OF LIFE

*In childhood innocence blooms like a spring,
Imagination runs wild every different hour working.
Carefree days filled with laughter and play,
Every moment has its own special way.*

*But then the seasons change and time move fast,
Adulthood arrives , responsibilities becomes vast.
New choice and challenges to face,
With the world of uncertain pace.*

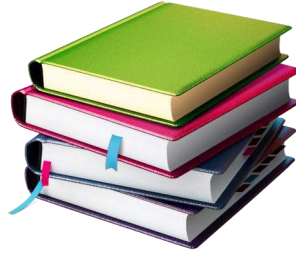
*In the dance of life childhood and adulthood meet,
Each phase is unique , both bitter and sweet.
So let's embrace each chapter with grace and might,
In the end the journey is our greatest delight.*

Radhika Sen

12 B



BOOK



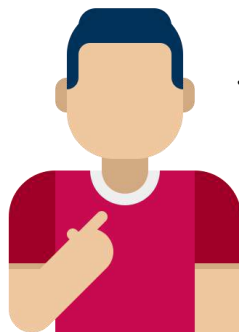
Open a book .
And you will find.
People and places of every kind.

Open a book.
And you can be.
Anything you want to be.

Open a book.
And you can share.
Wonders words you find in there.

Open a book.
And i will too.
You read to me.
And i will read to you

Veena Goswami
8 A



I TELL MY SELF

This is what I tell myself-
If you feel depressed, sing
If you feel sad, laugh
If you fall ill, double your labour
If you feel fear, plunge ahead.
If you feel inferior, wear new garments.
If you feel uncertain, raise your voice.
If you feel poverty, think of wealth to come.
If you feel incompetent, think of past success.
If you insignificant, remember your goals .

Today, be the master of your emotions.

Manya Sahu
11 A



1. JADES-GS-Z14-0: A NEW FARTHEST OBJECT

What if we could see back to the beginning of the universe? We could see galaxies forming. But what did galaxies look like back then? These questions took a step forward recently with the release of the analysis of a James Webb Space Telescope (JWST) image that included the most distant object yet discovered. Most galaxies formed at about 3 billion years after the Big Bang, but some formed earlier. Pictured in the inset box is JADES-GS-z14-0, a faint smudge of a galaxy that formed only 300 million years after the universe started. In technical terms, this galaxy lies at the record redshift of $z=14.32$, and so existed when the universe was only one fiftieth of its present age. Practically all of the objects in the featured photograph are galaxies.

2. MESSIER 66 CLOSE UP

Acknowledgement: Davide De Martin and Robert Gendler

Big, beautiful spiral galaxy Messier 66 lies a mere 35 million light-years away. The gorgeous island universe is about 100 thousand light-years across, similar in size to the Milky Way. This Hubble Space Telescope close-up view spans a region about 30,000 light-years wide around the galactic core. It shows the galaxy's disk dramatically inclined to our line-of-sight. Surrounding its bright core, the likely home of a supermassive black hole, obscuring dust lanes and young, blue star clusters sweep along spiral arms dotted with the tell-tale glow of pinkish star forming regions. Messier 66, also known as NGC 3627, is the brightest of the three galaxies in the gravitationally interacting Leo Triplet.

Riya Jain

11 B



EXPERIENCE

*I stepped from Plank to Plank
A slow and cautious way
The Stars about my Head I felt
About my Feet the Sea*

*I knew not but the next
Would be my final inch —
This gave me that precarious Gait
Some call Experience.*

Poem by: Emily Dickinson

*Gourvi Jadiya
11 B*



DIGNITY

*You get dignity,
When you stop thinking wrong
When you do what you learn right.....
You can live dignified
When you live a lifestyle that , matches you
You can get dignity ,
When you renounce the "ego of individuality"
and rejoice ups and downs of life*

*There is dignity
When you have good thoughts,
in your hearts and mind...*

Vidhika Namdev

11 B



ECHOES OF MOTIVATION

*In the quiet depths of each soul's desire,
Where dreams take flight, and passions inspire,
There lies a spark, a flame so bright,
Igniting hope in the darkest night.*

*Motivation, the force that drives,
Through challenges, it bravely strides.
A whisper, a call from deep within,
A relentless urge to rise and win.*

*With every sunrise, a promise anew,
That dreams are real and goals in view.
Through valleys low and mountains high,
Motivation lifts us to the sky.*

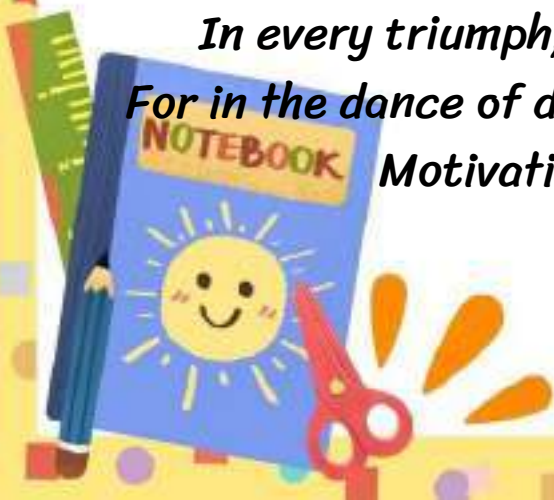
*It's in the quiet moments of reflection,
Where we find strength, a strong connec-
tion,
To the dreams we hold, our aspirations,
Fueling us with determination.*

*So heed its call, embrace its power,
In every triumph, every hour.*

*For in the dance of destiny's rhyme,
Motivation echoes through all time.*



AISHANI SINGH



THE DAY

*It clear and the sun
Throws light on the dust
On the window ,the*

*Constancy of that
Mist.To see"if the
Weather is with us",*

*and it is.It is
amazing how much
a window lets in*

*or out Part of a
cross from a tower
On a puddle on*

*a connecting walk,
White waterpipes that
Sidle up sides of*

*white building to tie
tin cornices to
ground, other windows
polished by indi-
rections of reflec-
tions.Quiet .They sky.*

ABHINESH SINGH



A RAINDROP RACE

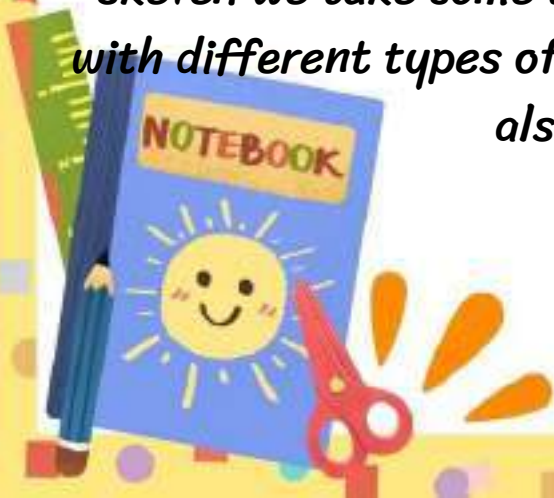
*There's race
On my face
So let's see
Who will be
The first drop
To drip
From my nose
To my lip
From my lip
To my chin
From my chin
To my toes
Who will win?
Goodness
Knows!!*

THE ART OF SKETCHING

What is sketching? Sketching is your dream when you imagine and draw on paper . My hobby is draw sketch it is an art . In my personal experience it is not difficult but not without skill. In a sketch we take some time it require patience . Sketch is made with different types of pencils and they require many tools. It is also make without tools.

Parth Kesharwani

11 B



Welcome Sir **Mr. Dharmendra Bharadwaj**



RSM 2023-24



KV 3 Sagar Kabaddi team won U-14 & U-17 Gold In RSM 2023 And total 26 Players selected for National .



विद्यालय में हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की स्मृति में राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया गया जिसके अंतर्गत विद्यालय में मेजर ध्यानचंद जी की जीवनी पर प्रकाश डाला गया व विभिन्न प्रकार के खेल सम्पन्न हुए तत्पश्चात रीजनल स्पोर्ट्स मीट 2023 में कबड्डी U-14(Boys), U-17(Boys), U-17(Girls) स्वर्ण पदक विजेता व शतरंज विजेता खिलाड़ियों को मेडल व सर्टिफिकेट प्रदान किये गए ।



स्वच्छता पखवाड़ा



राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी एवं देश के पूर्व प्रधानमंत्री व "जय जवान-जय किसान" का नारा देने वाले और हरित क्रांति की नींव रखने वाले श्री लाल बहादूर शास्त्री जी के जन्मदिवस २ अक्टूबर के दिन विद्यालय में विश्व शांति दिवस एवं गाँधी-शास्त्री जयंती का आयोजन किया गया।



शिक्षक दिवस



SALAD MAKING ACTIVITY



PTM 2023



INTERNATIONAL PEACE DAY



हिंदी पखवाडा



स्वच्छता ही सेवा





PM SHRI K.V.NO.3 GARDEN



भारतीय भाषा उत्सव





पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्र. 3, सागर
PM SHRI KENDRIYA VIDYALAYA NO.3 SAGAR



राष्ट्रीय एकता दिवस National Unity Day



"RUN FOR UNITY"
31st October



वार्षिक खेल दिवस 2023



जनजातीय गौरव दिवस 2023



संविधान दिवस 2023



O2 Planetarium



EDUCATION EXCURSION (PRIMARY)



GRANDPARENT'S DAY CELEBRATION





Annual Academic Panel Inspection
15.12.2023



VIDYALAYA SOCIAL MEDIA HANDLES

Facebook



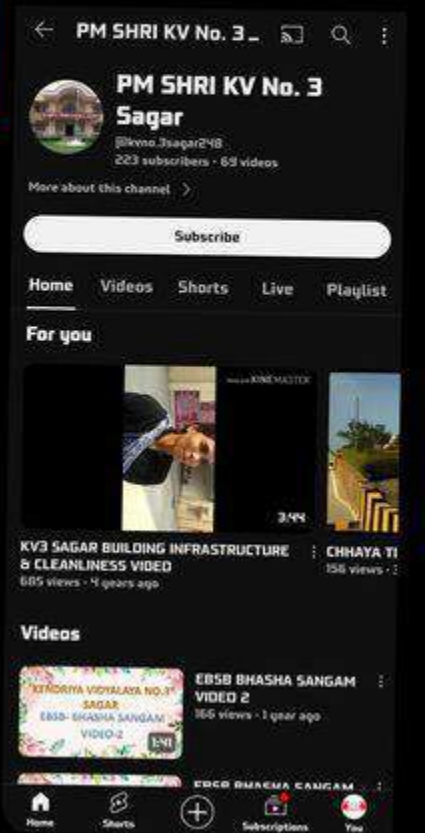
Facebook profile page for PmShri Kvnothree Sagar. The profile picture features the school's logo with the text 'PmShri केन्द्रीय विद्यालय क.3, सागर' and '100 GLORIOUS YEARS'. The name is 'PmShri Kvnothree Sagar' with 1.5K friends and 34 mutuals. The bio says 'Welcome to KV No.3 SAGAR'. Navigation options include Posts, Photos, and Reels. Details include the website 'no3sagar.kvs.ac.in', location 'Sagar, Madhya Pradesh', and 'Followed by 396 people'.

X (Twitter)



X (Twitter) profile page for PM SHRI KV NO 3 SAGAR (@KVNO3SAGAR). The bio includes 'SAGAR (M.P.)' and the website 'no3sagar.kvs.ac.in'. It shows 43 following and 101 followers. Recent posts include a tweet about 'Swachhta Hi Sewa' with a YouTube link and a video titled 'Ek Tareek - Ek Ghanta'.

YouTube



YouTube channel page for PM SHRI KV No. 3 Sagar (@kvno_3sagar248). The channel has 223 subscribers and 69 videos. Recent videos include 'KV3 SAGAR BUILDING INFRASTRUCTURE & CLEANLINESS VIDEO' (685 views, 4 years ago) and 'EB58 BHASHA SANGAM VIDEO 2' (165 views, 1 year ago). The channel features a 'Subscribe' button and navigation tabs for Home, Videos, Shorts, Live, and Playlist.

NATIONAL YOUTH DAY





NATIONAL ROAD SAFETY WEEK

प्रेरणा दिवस





One Day Orientation Programme





B.Ed Internship



प
श
क्र
म



दि
व
स



26 जनवरी 2024



WORLD HEALTH DAY



VISIT OF DR. SAROJ DABAS (AC KVS RO JABALPUR)



WORLD EARTH DAY



विश्व महासागर दिवस



INTERNATIONAL YOGA DAY



ANNUAL DAY CELEBRATION





हिन्दी



क्या वो दौर वापस आएगा?

वो मस्ती वो दोस्ताना एक दूसरे के काम आना
कभी दूसरे की गलती पर पिट जाना
और कभी अपनी गलती पर सबको को पिटवाना
लंच ब्रेक में लंच छीन चुपके से खा जाना
और दोस्त के भूखे रहने पर खुद भी भूखा हो जाना
काम पूरा होने पर भी उसे अधूरा बताना
काम अधूरा होने पर भी उसे टीचर को न दिखाना
हर कारनामे में साथ देकर फंस जाना
बिना कारण होने पर भी हंस जाना
जाना बिना कारण के वॉशरूम तक
और पकड़े जाने पर फिर बहाना बनाना
स्कूल के ये 11 साल जाने कैसे बीत गए
जीवन कैसे जीना है हम सब ये सीख गए
जिंदगी का यह कीमती हिस्सा कहानी बन जाएगा
लगतान था की वक्त इतने जल्दी निकल जाएगा
अब वो दौर क्या वापस आएगा ?.....
अब वो दौर क्या वापस आएगा?

अंशिका जैन

12 ब

गुरु और शिष्य

इस सृष्टि में गुरु शिष्य की रचना है न्यायी,
गुरु की गरिमा होती है भगवान से प्यारी।
शिष्य का भविष्य गुरु पर निर्भर करता ,
सच्चा शिष्य गुरु के जीवन में सुख भरता।
हे प्रभु !संसार को है इस सुंदर रचना की आवश्यकता ,
इस पर बीता कल,आज,और आने वाला कल टिकता।
गुरु की डाट पहले रूलाती बाद में हंसाती,
गुरु की सलाह सदा जीवन में उजाला लाती ,
जैसे सांस के बिना मनुष्य नहीं जी पाता ,
वैसे ही गुरु के बिना शिष्य कुछ ना बन पाता।
जैसे माँ के सामने सबका प्यार फीका पड़ जाता ,
वैसे ही पुस्तकों से अधिक ज्ञान गुरु को आता ।
वैष्णवी कोरी

बचपन

एक बचपन का जमाना था
जिसमें खुशियों का खजाना था
चाहत चांद को पाने की थी...
पर दिल तितली का दीवाना था,...
खबर ना थी कुछ सुबह की
ना शाम का ठिकाना था ,
थक कर आना स्कूल से...
पर खेलने भी जाना था,
माँ की कहानी थी,
परियों का फसाना था
बारिश में कागज की नाव थी
हर मौसम सुहाना था
जिया राजपूत
कक्षा - 8अ

॥ बेटी॥

जब जब जन्म लेती है बेटी, खुशियाँ साथ लाती है बेटी ।
ईश्वर की सौगात है बेटी ,
सुबह की पहली किरण है बेटी।
तारों की शीतल छाया है बेटी ,
आँगन की चिड़िया है बेटी।
त्याग और समर्पण सिखाती है बेटी ,
नए-नए रिश्ते बनाती है बेटी ।
जिस घर जाए उजाला लाती है बेटी ,
बार-बार याद आती है बेटी ,
बेटी की कीमत उनसे पूछो, जिनके पास नहीं है बेटी॥

नाम -जय विश्वकर्मा

कक्षा -10-"ब"

॥आदत॥

मंजिल अभी काफी दूर है ,वक्त का मह अपना गुरूर है ।
लक्ष्य को पाने का जुनून है,
आदत से मजबूर है ।
चेहरे पर छाया गजब का नूर है ,
जाने यह कैसा फितूर है ।
कल में मेरा अपना सुरूर है,
मेहनत से मिलता सुकून है।
आदत से मजबूर है ,
अभी तो नहीं मशहूर है।
प्रयासों का क्या कसूर है ,
थककर बदन चूर है ।
गलतियाँ बेकसूर हैं,
आदत से मजबूर हैं ।
हर मेहनती एक मजदूर है ,
जिंदगी में मुसीबतें जरूर हैं। प्रयास करते रहना दरतूर है,
आदत सी मजबूर है ।

नाम -महक चौरसिया

कक्षा 10 -ब

॥हाय रे परीक्षा॥

जिस नाम को सुनने से कांपता है हर बच्चा वो है परीक्षा ।
परीक्षा का पेपर हाथ में आते ही, इतना डर लगता है ,
कि अच्छा नहीं किया तो घर पर पिटना पक्का है।
3 घंटे में करने होते हैं लगभग 40 सवाल
एक भी छूटा तो घर पर होता है बवाल।
रिजल्ट के एक दिन पहले रात को नींद नहीं आती है,
अच्छा नंबर पाने के लिए भगवान की याद आती है ।
रखते हैं विद्यार्थी भगवान का व्रत अगर फेल हुए
तो लगता है “डंडे से डर“
पास होने पर मिलता है शानदार इनाम ,
और मुख से निकलता है" थैंक यू भगवान "
फिर आती है अगली कक्षा, तब भी मुख से निकलता है
हाय रे परीक्षा

नाम -स्नेहा लोधी

कक्षा दसवीं- ब

उलझन

मेरे मन में उलझन है बड़ी,
आज मेरे मन को कुछ लिखने की है पड़ी,
क्या लिखूं समझ में ना आए,
सर मेरा दर्द से फटा जाए।
समस्या है सामने आन पड़ी
उलझन है मेरे मन में बड़ी।।
सरल नहीं इस गुथी को सुलझाना,
सोचा छोड़ दूं,
परंतु जटिल है मेरे मन को समझाना।
पन्ना सामने टेबल पर है, कलम मेरे हाथ में पड़ी, यह कैसी उलझन आन पड़ी यह कैसी
उलझन आन पड़ी।।
फिर मेरे मन ने कहा, बस कलम उठा, लिखती जा।
पलट कर मैंने पूछा मन को,
लिखूं क्या? यह तो बतला।
कहा मेरे मन ने तुरंत, कलम में है शक्ति अनंत।
मैंने फिर पूछा, इस अनंत शक्ति का मैं क्या करूं?
क्या रखूं इसे और अचार डालूं?
तब मेरे मन ने कुछ गौर किया, गौर करके फिर मुझसे कहा,
इस जग में हैं
कई समस्याएं, लिख उन्हें, उनके कारणों को और लिख तू उनके समाधान।
पहुंचा उन्हें जन-जन तक, बढ़ा अपने गौरव और सम्मान।
सुलझ ही गई आखिर मेरे मन की उलझन बड़ी,
जो थी मेरे मन में आन पड़ी
जो थी मेरे मन में आन पड़ी।।

प्रज्ञा पांडेय कक्षा आठवीं अ

विषय- पर्यावरण

बहुत लुभाता है गर्मी में,
अगर कहीं हो बड़ का पेड़।
निकाट बुलाता पास बिठाता
ठंडी छाया वाला पेड़।

तापमान धरती का बढ़ता
ऊंचा - ऊंचा, दिन-दिन ऊंचा।
झुलस रहा गर्मी से आंगन गाँव - मोहल्ला कुँचा-डूँचा।

मधुमखी गरमी मधुमखी का छत्ता
जैसे दिया दिया किसी ने छेड़ा।

आओ पेड़ लगाएँ जिससे
धरती पर फैले हरियाली।
तापमान कम कसे को है
एक यही ताले की ताली।

ठंडा होगा जब घर-आंगन
तभी बचेंगे मोर - बटेर

तापमान जो बहुत बढ़ा तो
जीना हो जाएगा भारी।
धरती होगी जगह न अच्छी
पग-पग पर होगी बिमारी।

रखें संभाले इस धरती को
अभी समय है अभी न देर।

नाम-राधांशी शुक्ला
दसवी "अ"

चुटकुले

डॉक्टर कहता है सुबह जल्दी
उठने से उम्र बढ़ती है
मुर्गा जल्दी उठता है और शाम
तक शहीद हो जाता है
वहम से बचो और आराम से उठो

मेहमान आए उनसे पूछा चाय
लेंगे या ठंडा बोले दोनों ले आओ
मैने भी चाय में बर्फ डालकर दे
दी !

टीचर- अगर कोई स्कूल
के सामने बम रख जाए तो
तुम क्या करोगी ?
स्टूडेंट- एक दो घंटे देखेंगे
अगर कोई ले जाता है तो
ठीक है वरना स्टाफ
रूम में रख देंगे !

मम्मी - तू बाल क्यों नहीं
कटवाता है ?
लड़का ओह मम्मी! इट्स
फैशन
मम्मी - नालायक तेरी बड़ी
बहन को देखने आए थे !
वो तुझे पसंद करके चले गए!

मतदाता जागरूकता

"मतदाता जागरूकता" अभियान मतदान और उसके महत्त्व पर चर्चा करता है। यह मतदान के बारे में एक जिम्मेदार मतदाता कैसे बने इसके बारे में जानकारी प्रदान करता है। कुछ लोग मतदान करना नहीं चाहते एवं जो मतदान करना चाहते है उन्हें मतदान करने के तरीके के बारे में जानकारी नहीं होती। यही पर मतदान जागरूकता काम आती है। मतदान जागरूकता का विचार लोगों में मतदान के महत्त्व को समझने में मदद करता है।

मतदान का महत्व

मतदान लोकतंत्र का अभिन्न अंग है एवं लोगों को अपनी बात रखने का साधन है। हमारे देश में सभी को वोट देने का एवं अपनी पसंद के नेता का चयन करने का अधिकार है।

मतदान जागरूकता रैली

लोगों को मतदान के प्रति जागरूक करने के लिए लोक सभा चुनाव 2024 के अंतर्गत दिनांक 29/04/2024 को आकाशवाणी मतदान जागरूकता अभियान दिनांक 01/04/2024 को ऑटो रिकशा रैली, 02/05/2024 को हस्ताक्षर अभियान एवं दिनांक 03/05/2024 को महिला टू व्हीलर मतदान जागरूकता रैली का आयोजन भी किया गया जिससे लोग मतदान के प्रति जागरूक बन सकें।

आन - बान - शान से ,सरकार बने मतदान से।

उम्र 18 पूरी है, मत देना जरूरी है।

नाम-मोहम्मद राजिम खान

कक्षा-6 अ

नींद परी

चाँद तारों को शामियना,
रात बुने जब ताना बाना।
साँझ ढली हो जुगनू भरी,
हौले से आना नींद परी।

आना ,आना पलको में आना,
फिर बन जाना सपना सुहाना ।
लाना लाना, जादू- छड़ी,
हौले से आना नींद परी!

खेल-खिलौने भर -भर लाना
बिन बोले तुम घर मे आना
लाना पिटारा भरी-भरी
हौले से आना नींद परी!

जादू से एक बाग बनाना,
रंग- रंग के फूल खिलाना ।
मिल सब गाए स्वर लहरी,
हौले से आना नींद परी!

सिद्धि चौरसिया

मेरी मां

घुटनों से रेंगते-रेंगते
कब पैरों पर खड़ा हुआ ।
तेरी ममता की छांव में,
जाने कब बड़ा हुआ ।
काला टीका दूध मलाई,
आज भी सब कुछ वैसा है ।
प्यार ये तेरा कैसा है,
सीधा साधा भोला-भाला ।
मैं ही सबसे अच्छा हूँ,
कितना भी बड़ा हो जाऊँ ।
मां! मैं आज भी तेरा बच्चा हूँ ।

नाम - अनुभूति सिंह

कक्षा - 6 अ

आखिर ये माता पिता आते कहाँ से हैं

एक दिन देखा अपनी आंखों में

एक आंख में माँ और एक में पिता नजर आते हैं।

हर चीज पता कर लेते हैं मेरे बिना बोले पता नहीं किस जादू से जान जाते हैं।

आखिर यह माता-पिता आते कहाँ से हैं।

अगर हिंदी समझ ना पाए तो वह भी समझा देते,

अंग्रेजी में दिक्कत आए तो वह भी सुलझा देते,

विज्ञान जब कठिन लगने लगती तो उसे भी सरल बना देते,

सामाजिक विज्ञान तो बहुत अच्छे से बता देते।

गणित के विद्वान कहे जाते हैं,

पता नहीं फिर खाना देने में क्यों गिनती भूल जाते हैं।

एक मांगो तो दो रोटी ले आते हैं और दो मांगो तो चार ले आते हैं।

पता नहीं हर विषय के बारे में इतने अच्छे से कैसे बताते हैं ?

आखिर ये माता-पिता आते कहाँ से हैं।

जीवन जीने की हर सीख देते हैं,

प्यार तो मुझे बहुत करते हैं।

अपने से ज्यादा मेरे लिए दुआ करते हैं,

कैसे ये इतना सहज हो जाते हैं।

आखिर यह माता-पिता आते कहाँ से हैं,

उन दोनों से है नाम मेरा,

उन दोनों से है पहचान मेरी।

अब सोचती हूँ क्या लिखूँ उनके बारे में जो खुद मुझे लिखते हैं,

आखिर यह माता-पिता आते कहाँ से हैं।

नाम - तपस्या प्रजापति

कक्षा - दसवीं 'ब'

माता- पिता

हमारी जिंदगी में माता पिता अनमोल उपहार की तरह होते हैं। जिसकी कोई कीमत नहीं होती है। माता-पिता के बिना हमारे जीवन का कोई अर्थ नहीं होता, अगर भगवान के बाद दूसरा स्थान किसी को दिया जाता है तो वह हमारे माता पिता को दिया जाता है माता पिता के बिना हम अपने जीवन की कल्पना नहीं कर सकते इस दुनिया में लाने वाले हमारे माता पिता ही होते हैं।

माता पिता द्वारा हमारे जीवन का मोल होता है।

हमारे जीवन में बचपन से लेकर बड़े होने तक माता पिता बहुत भूमिका निभाते हैं वह हमें बहुत प्यार करते हैं भले ही हम कितने भी बड़े हो जाय लेकिन उनकी नज़र में हमेशा बच्चे ही रहते हैं । दुनिया के हर रिश्ते में आपको झूठ बेईमानी देखने को मिल सकती है पर माता-पिता का रिश्ता निस्वार्थ होता है। हमेशा अपने बच्चों की भलाई में ही उनकी पूरी जिंदगी लग जाती है।

नाम - यशवंत

कक्षा - 11 'ब'

कहानी हसीन होनी चाहिए

किरदार चाहे जो भी हो
कहानी हसीन होनी चाहिए..
दिल में अच्छाई और
आँखों में प्यार होना चाहिए..

मायूसी में क्या रखा है
ज़िन्दगी तो गुलज़ार होनी चाहिए..

सजते तो सभी है आज कल
पर उसमें थोड़ी सादगी की मिलावट भी होनी चाहिए..

यूँ तो सबकी ज़िन्दगी का सफ़र आसान नहीं होता |
ज़िन्दगी जीने के लिए खुशमिज़ाज़ होना चाहिए..

मिठास होठों पर नहीं दिल में होनी चाहिए..
लोग चाहे जैसा भी वर्ताव करें पर,
आपके वर्ताव में संस्कार होने चाहिए..

स्वार्थ भरी इस दुनिया में, थोड़ा निस्वार्थी भी होना चाहिए..

किरदार चाहे जो भी हो,
कहानी हसीन होनी चाहिए..!!

नाम - मेघा प्रजापति

कक्षा -10 ब

सुकून

सुकून की तलाश में हर शख्स हैरान
हर किसी के दिल में बस एक ही अरमान
कभी किसी की बातें सुकून दें जाती है
कभी किसी की खामोशी में राहत मिल जाती है

बेवजह की दौड़ में सब खो जाती है,
सुकून के पल जाने कहाँ रह जाते हैं।
बस उन आँखों से ही सुकून की झलक,
जैसे मिला हो जग सुकून।

इसलिए...

तेरा मुस्कुराना भी सुकून है,
तेरा खिलखिलाना भी सुकून है।

सुकून है हर लब्ज़ तेरे लबों से,
तुझे देखते जाना भी एक लम्हा सुकून है

नाम - आराध्य जैन

कक्षा - 11 ब

आजादी

पंछी हँ कैद अगर
तो उड़ने मे कर मदद तू।
रात है काली अगर
दिया जाला कर रेशन कर तू।
बीत गए कई साल
सुलझा मन के भाव तू।
औरत, आदमी या हो कोई बच्चा
कर सबके जीवन का सम्मान तू।

तोड़ दें दीवारें सारी।
आगे बढ़ विजय राह पर।

उन विचारों ने क्या पाया
अगर तू सब अब भी डर में खोया।

उठ जा तू छूले आसमान,
आजादी पर है सबका हक़

नाम -वर्णित साहू
कक्षा-11 ब

शिक्षक

जीवन मे जो राह दिखाए
सही तरह चलना सिखाएँ
माता - पिता से पहले आता
जीवन मे सदा आदर पाता

सबकी मान प्रतिष्ठा जिससे
सीखी कर्तव्य निष्ठा जिससे
कभी रहूँ न दूर मैं जिससे ।
वह मेरा पथप्रदर्शक है जो
मेरे मन को भाता
वह मेरा शिक्षक कहलाता

नाम-विधिका नामदेव
कक्षा -11 ब

जिंदगी

सफर में जब जिंदगी को देखा
जो अंजान राहों पर चलती जा रही थी,
कभी संगीत के स्वर की तरह मुस्कुरा रही थी
तो कभी आँख मिचौली के खेल से उरा रही थी।
मंज़िल तक पहुँचने कि धुन में
बिना रुके वह चलती जा रही थी,
कभी नदियों की तरह वहती
तो कभी पहाड़ों से टकरा रही थी
हिम्मत कर एक दिन
मैंने उससे पूछ ही लिया,
“मुझे क्यों इतना सता रही हो
जब देखो तब मुझे आजमा रही हो ,
चल तो रही थी तेरी ही शर्तों पर ।
तो क्यों हर बार इन्तहान लिए जा रही हो “

नाम - भूमि चौरसिया

कक्षा-11 ब

कुछ यादें पिरोते है

बैठकर बालकनी में बिस्किट को चाय में डुबोते हैं,

चलो फिर कुछ यादें पिरोते हैं।

सुबह का अलार्म, दफ्तर का काम

बॉस की चिक चिक और प्रिंसिपल का काम

कुछ दिनों के लिए भूल जाते हैं,

चलो फिर कुछ यादें पिरोते हैं।

कृष्ण की लीला, राम का वनवास

शक्तिमान का पाठ

चाचा चौधरी का दिमाग दुबारा सीख लेते हैं,

चलो फिर कुछ यादें पिरोते हैं।

परियों की कहानी दादी को सुनानी

घोड़े की सवारी दादू को करवानी

जन्मदिन का केक दीदी का फेस

गार्डन की सफाई

यूट्यूब की मिठाई

लूडो में रेस और

मम्मी का गुस्से वाला फेस

इन एहसासों को फिर से जी लेते हैं,

चलो फिर कुछ यादें पिरोते हैं।

रितिका द्विवेदी

12 वी 'अ

बरसते बादल

बरसते बादल
तूफानी बर्फीली हवाओं के
संग बरसते बादल यू ही बरसते
ये बादल
कुछ काले से घुंघराले से
ये हिरण से छलांगे भरते
मेरी छत के ऊपर से
गुजरते हुए
बीच बीच में
विद्युत की दीपशिखा
चका चौंध पैदा करती है
ऐसे लगता है
जैसे घनघोर अँधेरी रात में
सूरज हो गया हो प्रभाषित
सचमुच वह प्रकाश
अद्भुत और अलौकिक है
मुझे तो अब केवल
करनी है बात
उन बादलों की
जो बरसते हैं
गरजते नहीं ।
सुदर्शन वर्मा
कक्षा- 10 अ

पेड़

धरती की बस यही पुकार
पेड़ लगाओ बारंबार

आओ मिलकर कसम खाएँ
अपनी धरती हरी बनाए

धरती पर हरियाली हो
जीवन में खुशहाली हो

पेड़ धरती की शान है
जीवन की मुस्कान है

पेड़ पौधों को पानी दें
जीवन की यही निशानी दें

आओ पेड़ लगाए हम
पेड़ लगाकर जग महका कर

जीवन सुखी बनाए हम
आओ पेड़ लगे हम

धन्यवाद

अनुप्रिया कुर्मी
दसवीं अ

श्रृंगार

आ गया फिर एक त्यौहार
सज गया पूरा बाज़ार
दुकानें सज गईं फिर एक बार
रंग बिरंगी वस्तुएँ हजार
चमक रहा हर घर का द्वार
दूर खड़ा है एक सुनार
बोहनी जिसकी हुई अपार
महिलाएँ हो रही हैं तैयार
होठों पे लाली और सुरमे का करार
छोटी सी बिंदिया और हीरों का हार
कानों में बाले और पायल की झनकार
कलाई में सोने के कंगन तीन-चार
एक नथ, करधनी और सोलह श्रृंगार
उन्हें, गहनों से खुशियाँ मिलती है बेशुमार
पर मुझे नहीं इन सब से प्यार
ये सोना-चाँदी है सब बेकार
बस तुम्हें चाहती हूँ बेशुमार
तुम्हारे लिए ही सजती हूँ हर बार
खुशी मिलती है तुम्हें सजने से मेरे
और मेरी खुशी का हो तुम आधार
सजने से नहीं कळंगी झन्कार
पर इस बार बिना गहनो के कळंगी श्रृंगार
ना कोई कंगन ना नौ-लखा हार
ना मोती की माला ना कुछ चमकदार
बस एक चुटकी सिंदूर तुम्हारे नाम का लगाऊंगी
क्योंकि तुम ही हो मेरा श्रृंगार ॥

ईमानदारी का फल

एक लकड़हारा वन में नदी के किनारे लकड़ी काट रहा था। अचानक उसकी कुल्हाड़ी नदी में गिर गई। वह वहीं बैठकर रोने लगा। उसी समय जल देवता वहीं प्रकट हुए उन्होंने लकड़हारे से रोने का कारण पूछा लकड़हारे ने कहा "मेरी कुल्हाड़ी नदी में गिर गई है। मेरे पास कोई अन्य कुल्हाड़ी नहीं है। अब मैं लकड़ी कैसे काटूंगा? लकड़ी न होने पर घर में खाना नहीं बन पाएगा।" जल देवता को लकड़हारा पर तरस आ गया उन्होंने नदी में गोता लगाया और सोने की कुल्हाड़ी लकड़हारे को दी लकड़हारे ने कुल्हाड़ी देखकर कहा यह मेरी नहीं है जल देवता ने फिर गोता लगाया और चांदी की कुल्हाड़ी की लकड़हारे को दी। लकड़हारे ने कहा यह भी मेरी नहीं है जल देवता ने फिर गोता लगाया और लोहे की कुल्हाड़ी लाकर लकड़हारे को दिया लकड़हारे ने उसे देखकर कहा यह मेरी कुल्हाड़ी है लकड़हारे की ईमानदारी को देखकर जल देवता ने उसे सोने व चांदी की कुल्हाड़ियां भी दे दीं।

शिक्षा- हमेशा ईमानदार रहो कभी भी बेईमानी मत करो।

कर्व चौरसिया 4 अ

शुक्रिया

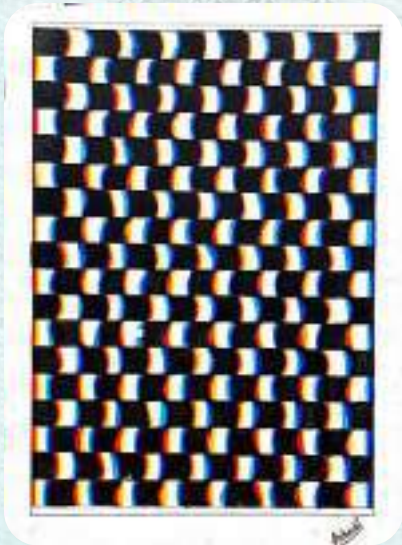


हमारा साथ निभाने का शुक्रिया।
नवनियुक्त नवचयनित भटके हुए,
हम हमें सही राह दिखाने का शुक्रिया।
एक शिक्षक के रूप में पतझड़ के सूखे पत्तों से हम,
हमें सदाबहार बनाने का शुक्रिया।
थके हारे खत्म होते शनिवार से हम,
हमें ऊर्जा से भरे सोमवार बनाने का शुक्रिया।
अपने आप में गुमसुम अर्थरहित हम,
हमें हिंदी का अलंकार बनाने का शुक्रिया।
किसी कोने में पुरानी धूल पड़ी किताब से हम,
हमें हर रोज़ सुबह का ताजा नया अखबार बनाने का शुक्रिया।
हर एक क्षण खुद पर संदेह करने वाले हैं,
हमें अपने आप पर ऐतबार कराने का शुक्रिया।

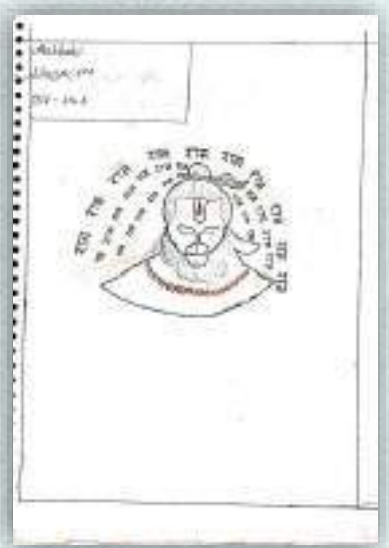
मो. आतिफ

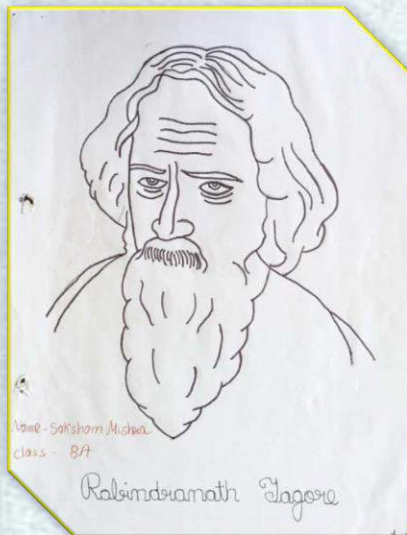
प्राथमिक शिक्षक

पी एम श्री के. वि. क्र.3 सागर

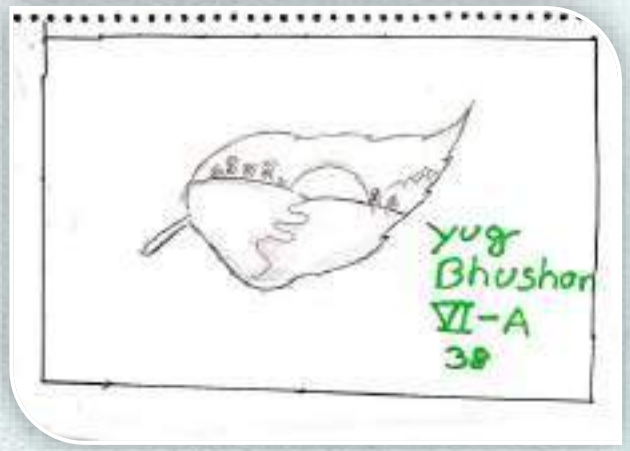










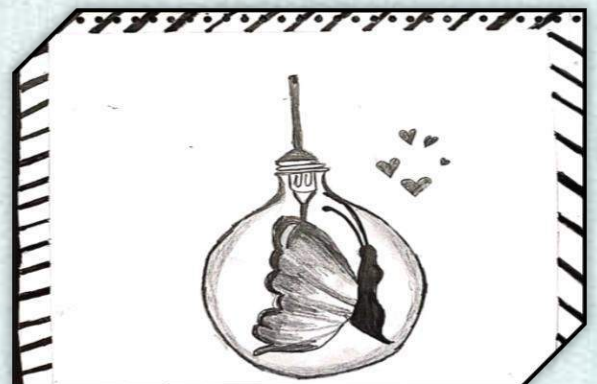
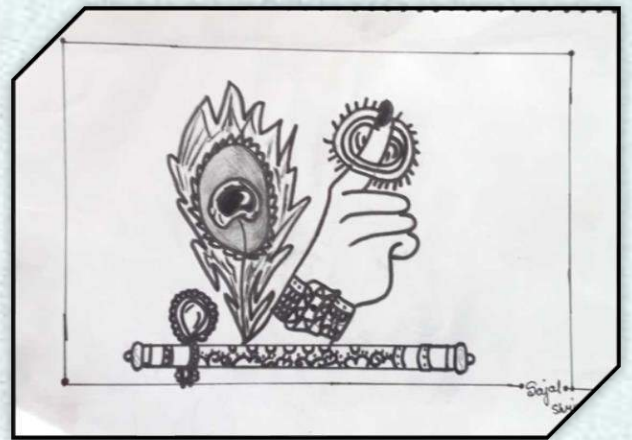
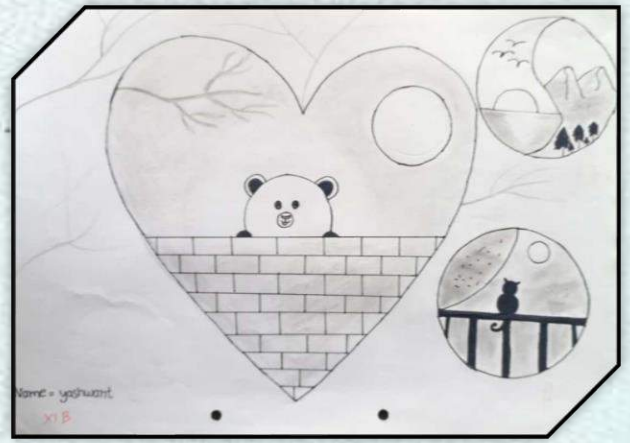


| मेरा भारत | |
|------------------------|---------------------------|
| मेरा भारत है मेरा गर्व | |
| हिन्दी | मेरा भारत जवान। |
| मराठी | सद्दा भारत जवान। |
| संस्कृत | मम भारतस्य जवानवा (सैर्य) |
| तेलगू | ना भारतदेशम गोपनी। |
| गुजराती | મારુ ભારત જહાનુ છે। |
| ENGLISH | My INDIA IS GREAT. |

KNS NO 3 SAGRA
NAME: MOH PRADIP
CLASS: 4th 'A'
Roll No: 23









संस्कृतम्



रक्षाबन्धनः

रक्षाबन्धनः भ्रातृभगिन्याः उत्सवः प्रतिवर्षं सावनमासस्य पूर्णिमायां भवति ।
भ्राता स्वभगिनीं रक्षादानं ददाति एषः रक्षाबन्धनपर्वः प्रत्येकस्मिन् गृहे विविधाः
देवाः, स्वादिष्टानि मिष्टान्नानि च निर्मायन्ते देशे सेवां कुर्वतां सेनाभ्रातृभ्यः
पुलिसकर्मचारिभ्यः च वितरितम् भारतदेशे यत् संस्कृतं ज्ञानस्य परम्परायाः च
बहुमूल्यं परम्परा अस्ति।

सिद्धि चौरसिया

सप्तमी अ

देशभक्तिः

यस्मिन् देशे वयं जन्मधारणं कुर्मः स हि अस्माकं देशः जन्मभूमिः वा भवति ।
जन्नी इव जन्मभूमिः पूज्या आदरणीया च भवति । अस्याः यशः सर्वेषां
देशवासिनां यशः भवति । अस्याः गौरवेण एव देशवासिनां गौरवम् भवति । ये
जनाः स्वाभ्युदयार्थं देशस्याहितं कुर्वन्ति ते अधमाः सन्ति । देशभक्तिः सर्वासु
भक्तिषु श्रेष्ठा कथ्यते । अनया एव देशस्य स्वतन्त्रतायाः रक्षा भवति । अनया
एव प्रेरिताः बहवः देशभक्ताः भगत सिंहः, चन्द्रशेखर आजाद प्रभृतयः
आत्मोत्सर्गम् अकुर्वन् । झाँसीश्वरी लक्ष्मीबाई, राणाप्रताप मेवाड़केसरि, शिववीरः
च प्रमुखाः देशभक्ताः अस्माकं देश जाता । देशभक्तिः व्यक्ति-समाज -
देशकल्याणार्थं परमम् औषधम् अस्ति ।

साक्षी लोधी

सप्तमी अ

एहि एहि वीर रे ।

एहि एहि वीर रे ।

वीरतां विधेहि रे ।

भारतस्य रक्षणाय ।

जीवनं प्रदेहि रे ॥

त्वं हि मार्गदर्शकः ।

त्वं हि देशरक्षकः ।

त्वं हि शत्रुनाशकः । कालनागतक्षकः ॥

एहि एहि

साहसी सदा भवेः ।

वीरतां सदा भजे ।

भारतीयसंस्कृतिं ।

मानसे सदा धरेः ॥

एहि एहि

पदं पदं मिलच्चलेत् ।

सोत्साहं मनो भवेत् ।

भारतस्य गौरवाय ।

सर्वदा जयो भवेत् ॥

एहि एहि

देवश्री कोरी

सप्तमी अ

मनसः वर्णनम्

मनः एकं रहस्यमयम् अस्ति यः प्राचीनकालात् च आधुनिककालात् च मनुष्यस्य मनःपाठ्ये एकस्य महत्वपूर्णं स्थानं गृहीत्वा अस्ति। यत्र यत्र विज्ञानस्य, तत्र तत्र मनस्य अध्ययनं महत्वपूर्णम् इति मन्यते।

मनसः प्रकृति बहुचकितकारिका अस्ति। यत्र चिन्तनं, संवेदनं, बुद्धिः, और निर्णयस्य स्थितिः अस्ति। मनः व्यक्तित्वस्य मूलाधारः अस्ति, यः जीवनस्य प्रत्येक क्षेत्रे प्रभावं जनयति।

प्राचीन भारतस्य तत्त्वज्ञानस्य अनुसारं, मनः त्रैविध्यम् अस्ति—सत्त्वगुणः, रजोगुणः, तमोगुणः च। सत्त्वगुणः प्रकाशः, ज्ञानः, एवं शान्तिः प्रदतिः अस्ति। रजोगुणः क्रियायुक्तम्, चिन्तायुक्तम्, व्यग्रतायुक्तम् अस्ति। तमोगुणः अज्ञानम्, आलस्यं, निस्तप्तता च प्रदतिः अस्ति।

यथाऽस्मिन् लोकस्य दृष्ट्या, मनः जीवनस्य चालकः अस्ति। यः सूक्ष्माणां मानसिकविकाराणां योगः अस्ति। मनः सकारात्मकविचारं सह मनोबलं वर्धते, नकारात्मकविचारं सह निराशां जनयति। मनः अन्तर्मनस्य आधारभूतं अस्ति, यः आत्मज्ञानस्य एवं आत्मविकासस्य मार्गदर्शकः अस्ति।

सर्वे तत्त्वज्ञानसमूहाः मनसः महत्वं बोधयन्ति। शास्त्राणि, योगसूत्राणि, वेदाः, उपनिषदः च मनसः साधनम् अध्ययनं कुर्युः। मनः साधनं, ध्यानं, एवं सम्यक् चित्तस्य अवबोधनं, सुखं, एवं शान्तिं प्राप्नोति।

मनः व्याधितम् अपि अस्ति, यः मानसिकस्वास्थ्यस्य विचारं साधयति। मानसिकस्वास्थ्यस्य सुधारं, मनःविज्ञानस्य प्रयोगं, चित्तसंतुलनं, इत्यादि सर्वे मनःस्वास्थ्यस्य पक्षे च महत्वपूर्णम् अस्ति।

विज्ञानस्य दृष्ट्या, मनः एकं न्यूरोलॉजिकल प्रक्रिया अस्ति, तस्य विकासः, कार्यवृत्तिः, और तस्य सम्बन्धं अन्याः शरीरीकसंवेदनानां इत्यादि अध्ययनस्य क्षेत्रे अस्ति।

मनः, तस्य अध्ययनं, तस्य प्रभावः च जीवनस्य सम्पूर्णता इति बोधयति। तस्य शुद्धता, शक्तिः, एवं स्वास्थ्यः जीवनस्य सर्वतोमुखी समृद्धिः साधयति।

एवं, मनसः सूक्ष्मं रहस्यम् अन्वेषणं कृत्वा, स्वस्वास्थ्यं, सुखं, और विकासं प्राप्तुं आवश्यकम् अस्ति।

प्रज्ञा पाण्डेयः

अष्टमी अ

वर्णमाला-गीतम्

कमलं विकसति सुन्दर-सरसि

क, ख, ग, घ, ङ ।

चटकः गायति 'चिव् चिव्' गीतम्

च, छ, ज, झ, ञ ।

टप् टप् टप् टप् जलस्य नादः

ट, ठ, ड, ढ, ण ।

तरुवर-शाखाः हरिताः हरिताः

त, थ, द, ध, न ।

पश्य पश्य रे लघु-लघु-मत्स्यान्

प, फ, ब, भ, म ।

यक्षः डयते पुष्पात् पुष्पम्

य, र, ल, व ।

शशक-शावकं धावति कूर्दति

श, ष, स, ह ।

वदन्तु सर्वे पठन्तु सर्वे

क, च, ट, त, प ।

कण्ठे कण्ठे सदैव भवतु

वर्णानां माला ।

मालां धृत्वा गायामः रे

लल् लल् लल् लल् ला ।

कल्पना लोधी

अष्टमी ब

!!! विद्या परं धनम् !!!

विद्यां ददाति विनयं विनयाद् याति पात्रताम् ।
पात्रत्वात् धनमाप्नोति धनात् धर्मं ततः सुखम् ॥

अर्थ - विद्या विनय देती है; विनय से पात्रता, पात्रता से धन, धन से धर्म, और धर्म से सुख प्राप्त होता है ।

माता शत्रुः पिता वैरी येन बालो न पाठितः ।
न शोभते सभामध्ये हंसमध्ये बको यथा ॥

अर्थ - जो अपने बालक को पढाते नहीं हैं , ऐसी माता शत्रु समान और पिता वैरी है; क्योंकि हंसों के बीच बगुले की भाँति, ऐसा मनुष्य विद्वानों की सभा में शोभा नहीं देता !

विद्याविनयोपेतो हरति न चेतांसि कस्य मनुजस्य ।
कांचनमणिसंयोगो नो जनयति कस्य लोचनानन्दम् ॥

अर्थ - विद्यावान और विनयी पुरुष किस मनुष्य का चित्त हरण न करता ? सुवर्ण और मणि का संयोग किसकी आँखों को सुख नहीं देता ?

विद्या रूपं कुरूपाणां क्षमा रूपं तपस्विनाम् ।
कोकिलानां स्वरो रूपं स्त्रीणां रूपं पतिव्रतम् ॥

अर्थ - कुरुप का रूप विद्या है, तपस्वी का रूप क्षमा, कोकिला का रूप स्वर, तथा स्त्री का रूप पतिव्रत्य है ।

रूपयौवनसंपन्ना विशाल कुलसम्भवाः ।
विद्याहीना न शोभन्ते निर्गन्धा इव किंशुकाः ॥

अर्थ - रूपसंपन्न, यौवनसंपन्न, और चाहे विशाल कुल में पैदा क्यों न हुए हों, पर जो विद्याहीन हों, तो वे सुगंधरहित टेशू के फूल की भाँति शोभा नहीं देते ।

पीयूष रौशन

षष्ठी "ब"

संस्कृतसाहित्यस्य प्रसिद्ध कवयः

1. कालिदासः - कालिदासः संस्कृतसाहित्यस्य महान् कविः नाटककारः च मन्यते । " अभिज्ञान -शकुन्तलम्", "मेघदूतम्", "रघुवंशम्" "कुमारसंभवम्" च अस्य प्रमुखाः कृतयः सन्ति । सः काव्यसौन्दर्येण, भावव्यञ्जनेन च प्रसिद्धः अस्ति ।
2. भवभूतिः - भवभूतिः अपि संस्कृतसाहित्यस्य प्रमुखनाट्यकारेषु अन्यतमः अस्ति । "उत्तरंचरितम्", "मालतिमाधवम्", "महावीरचरितम्" च अस्य प्रमुखाः कृतयः सन्ति । सः गहनदार्शनिकदृष्टिकोणानां, संवेदनशीलतायाः च कृते प्रसिद्धः अस्ति ।
3. महाकवि बाणभट्ट - बाणभट्टः संस्कृत गद्यसाहित्यस्य प्रमुखः लेखकः इति मन्यते । तस्य प्रमुखाः ग्रन्थाः "कदम्बरी" "हर्षचरित" च सन्ति, येषां गद्यसाहित्ये उत्तमं स्थानम् अस्ति ।
4. माघः - माघः "शिशुपालवधाम्" इति महाकाव्यस्य कृते प्रसिद्धः अस्ति । अस्य महाकाव्यस्य जटिलस्य समृद्धस्य च भाषायाः कृते प्रसिद्धम् अस्ति, महाभारतस्य एकस्य प्रकरणस्य विस्तरेण वर्णनं कृतम् अस्ति ।
5. जयदेवः - जयदेवः "गीतागोविन्दम्" इति गीतकाव्यस्य कृते प्रसिद्धः अस्ति । श्रीकृष्ण-राधा-प्रेमं केन्द्रे स्थापयित्वा एतत् काव्यं भक्तिसाहित्यस्य अद्वितीयम् उदाहरणं मन्यते ।
एते कवयः संस्कृतसाहित्यं समृद्धं गौरवपूर्णं कर्तुं च महत्त्वपूर्णं योगदानं कृतवान् अस्ति।

जन्मेजयः राजपूतः
नवमी 'अ'

सूक्तयः

(1) गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः ।

गुरु ब्रह्मा - विष्णु - महेश के समान हैं ।

(2) सर्वे भवन्तु सुखिनः , सर्वे सन्तु निरामयाः ।

सभी सुखी हों , सभी नीरोग हों ।

(3) उद्यमेन हि सिद्ध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः ।

कार्य परिश्रम करने से पूर्ण होता है , मनोरथ करने से नहीं ।

(4) दैवेन देयमिति कापुरुषा वदन्ति ।

भाग्य देता है , ऐसा कायर कहते हैं , अथवा भाग्य के भरोसे कायर पुरुष रहते हैं ।

(5) यत्ने कृते यदि न सिद्ध्यति कोऽत्र दोषः ।

यदि प्रयत्न करने पर भी सफलता न मिले तो देखना चाहिए कि दोष कहाँ है ।

(6) न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते ।

ज्ञान के समान इस संसार में और कुछ पवित्र नहीं है ।

(7) भोगो भूषयते धनम् ।

धन की शोभा उसका उपभोग करने में है ।

(8) विद्या धर्मेण शोभते ।

विद्या धर्म से शोभा पाती है ।

(9) सम्पूर्णकुम्भो न करोति शब्दम् ।

भरा हुआ घड़ा आवाज नहीं करता ।

(10) सन्तोष एव पुरुषस्य परं निधानम् ।

सन्तोष मनुष्य का सबसे बड़ा धन है ।

आरोही चौबे

नवमी 'अ'

संस्कृतसाहित्यस्य प्रसिद्ध कवयः

1. कालिदासः - कालिदासः संस्कृतसाहित्यस्य महान् कविः नाटककारः च मन्यते । " अभिज्ञान -शकुन्तलम्", "मेघदूतम्", "रघुवंशम्" "कुमारसंभवम्" च अस्य प्रमुखाः कृतयः सन्ति । सः काव्यसौन्दर्येण, भावव्यञ्जनेन च प्रसिद्धः अस्ति ।

2. भवभूतिः - भवभूतिः अपि संस्कृतसाहित्यस्य प्रमुखनाट्यकारेषु अन्यतमः अस्ति । "उत्तरंचरितम्", "मालतिमाधवम्", "महावीरचरितम्" च अस्य प्रमुखाः कृतयः सन्ति । सः गहनदार्शनिकदृष्टिकोणानां, संवेदनशीलतायाः च कृते प्रसिद्धः अस्ति ।

3. महाकवि बाणभट्ट - बाणभट्टः संस्कृत गद्यसाहित्यस्य प्रमुखः लेखकः इति मन्यते । तस्य प्रमुखाः ग्रन्थाः "कदम्बरी" "हर्षचरित" च सन्ति, येषां गद्यसाहित्ये उत्तमं स्थानम् अस्ति ।

4. माघः - माघः "शिशुपालवधाम्" इति महाकाव्यस्य कृते प्रसिद्धः अस्ति । अस्य महाकाव्यस्य जटिलस्य समृद्धस्य च भाषायाः कृते प्रसिद्धम् अस्ति, महाभारतस्य एकस्य प्रकरणस्य विस्तरेण वर्णनं कृतम् अस्ति ।

5. जयदेवः - जयदेवः "गीतागोविन्दम्" इति गीतकाव्यस्य कृते प्रसिद्धः अस्ति । श्रीकृष्ण-राधा-प्रेमं केन्द्रे स्थापयित्वा एतत् काव्यं भक्तिसाहित्यस्य अद्वितीयम् उदाहरणं मन्यते ।

एते कवयः संस्कृतसाहित्यं समृद्धं गौरवपूर्णं कर्तुं च महत्त्वपूर्णं योगदानं कृतवान् अस्ति।

जन्मेजयः राजपूतः
नवमी 'अ'

सुभाषितानि

न कुलं वृत्तहीनस्य प्रमाणमिति में मतिः ।
अन्तेष्वपि हि जातानां वृत्तमेव विशिष्यते ॥

अर्थ :- ऊँचे या नीचे कुल से मनुष्य की पहचान नहीं हो सकती। मनुष्य की पहचान उसके सदाचार से होती है ,भले ही वह नीचे कुल में ही क्यों न पैदा हुआ हो ।

क्रोधो हर्षश्च दर्पश्च ह्रीः स्तम्भो मान्यमानिता।
यमर्थान् नापकर्षन्ति स वै पण्डित उच्यते ॥

अर्थ :- जो व्यक्ति क्रोध, अहंकार, दुष्कर्म, अति-उत्साह, स्वार्थ, उद्वेगता इत्यादि दुर्गुणों की और आकर्षित नहीं होते, वे ही सच्चे ज्ञानी हैं ।

मूर्खशिष्योपदेशेन दुष्टास्त्रीभरणेन च।
दुःखितैः सम्प्रयोगेण पण्डितोऽप्यवसीदति ॥

अर्थ :- मूर्ख शिष्य को पढ़ाने पर , दुष्ट स्त्री के साथ जीवन बिताने पर तथा दुःखियों- रोगियों के बीच में रहने पर विद्वान व्यक्ति भी दुःखी हो ही जाता है ।

आपदामापन्तीनां हितोऽप्यायाति हेतुताम् ।

मातृजङ्घा हि वत्सस्य स्तम्भीभवति बन्धने ॥

अर्थ :- जब विपत्तियाँ आने को होती हैं, तो हितकारी भी उनमें कारण बन जाता है। बछड़े को बांधने में माँ की जाँघ ही खम्भे का काम करती है।

यस्मिन् देशे न सम्मानो न वृत्तिर्न च बान्धवाः।
न च विद्यागमोऽप्यस्ति वासस्तत्र न कारयेत् ॥

अर्थ :- जिस देश में सम्मान न हो, जहाँ कोई आजीविका न मिले , जहाँ अपना कोई भाई-बन्धु न रहता हो और जहाँ विद्या-अध्ययन सम्भव न हो, ऐसे स्थान पर नहीं रहना चाहिए ।

अशिता सेन
षष्ठी ब

सुविचाराः

सर्वतीर्थमयी माता सर्वदेवमयः पिता।

मातरं पितरं तस्मात् सर्वयत्नेन पूजयेत् ॥

अर्थ :- मनुष्य के लिये उसकी माता सभी तीर्थों के समान तथा पिता सभी देवताओं के समान पूजनीय होते हैं। अतः उसका यह परम् कर्तव्य है कि वह उनका अच्छे से आदर और सेवा करे।

अमित्रं कुरुते मित्रं मित्रं द्वेषि हिनस्ति च ।

कर्म चारभते दुष्टं तमाहुर्मूढचेतसम् ॥

अर्थ :- जो व्यक्ति शत्रु से दोस्ती करता तथा मित्र और शुभचिंतकों को दुःख देता है, उनसे ईर्ष्या-द्वेष करता है । सदैव बुरे कार्यों में लिप्त रहता है, वह मूर्ख कहलाता है ।

षड् दोषाः पुरुषेणेह हातव्या भूतिमिच्छिता ।

निद्रा तन्द्रा भयं क्रोध आलस्यं दीर्घसूत्रता ॥

अर्थ :- संसार में उन्नति के अभिलाषी व्यक्तियों को नींद, तंद्रा(ऊँघ), भय, क्रोध, आलस्य तथा देर से काम करने की आदत-इन छह दुर्गुणों को सदा के लिए त्याग देना चाहिए ।

आयुषः क्षण एकोऽपि सर्वरत्नैर्न न लभ्यते।

नीयते स वृथा येन प्रमादः सुमहानहो ॥

अर्थ :- सभी कीमती रत्नों से कीमती जीवन है जिसका एक क्षण भी वापस नहीं पाया जा सकता है। इसलिए इसे फालतू के कार्यों में खर्च करना बहुत बड़ी गलती है।

निश्चित्वा यः प्रक्रमते नान्तर्वसति कर्मणः ।

अवन्ध्यकालो वश्यात्मा स वै पण्डित उच्यते ॥

अर्थात् : जो व्यक्ति किसी भी कार्य-व्यवहार को निश्चयपूर्वक आरंभ करता है, उसे बीच में नहीं रोकता, समय को बरबाद नहीं करता तथा अपने मन को नियंत्रण में रखता है, वही ज्ञानी है।

आयुष मिश्रा

अष्टमी ब

संस्कृते सफलतायाः सूत्राणि

प्रभूतं कार्यमल्पं वातन्नरः कर्तुमिच्छति।

सर्वारंभेण तत्कार्यं सिंहादेकं प्रचक्षते॥

अर्थ: जैसे कोई शेर एकाग्रता के साथ झपट्टा मारकर पूरी ताकत से अपना शिकार करता है और उसकी सफलता निश्चित होती है। ठीक उसी प्रकार हमें अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए भी लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित कर पूरी मेहनत के साथ प्रयत्न करना चाहिए।

उद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः।

न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः।

अर्थ: सिर्फ इच्छा करने से काम पूरे नहीं होते, बल्कि व्यक्ति के मेहनत करने से ही उसके काम पूरे होते हैं। जैसे सोये हुए शेर के मुंह में हिरण स्वयं नहीं आता, उसके लिए शेर को परिश्रम करना पड़ता है।

काक चेष्टा बको ध्यानं, श्वान निद्रा तथैव च।

अल्पहारी गृह त्यागी, विद्यार्थी पञ्च लक्षणं ॥

अर्थ: एक विद्यार्थी में यह पांच लक्षण होने चाहिए - कौवे की तरह जानने की चेष्टा करने वाला, बगुले की तरह ध्यान लगाने वाला यानि एकाग्र, कुत्ते की तरह निद्रा लेने वाला जो हल्की सी आहट से जग जाता है, अल्पाहारी यानि कम खाने वाला और गृह-त्यागी।

योगस्थः कुरु कर्माणि संगं त्यक्त्वा धनञ्जय ।

सिद्ध्यसिद्ध्योः समो भूत्वा समत्वं योग उच्यते ॥

अर्थ: इस श्लोक में भगवान श्री कृष्ण अर्जुन से कहते हैं कि हे धनञ्जय! तू आसक्ति को त्यागकर, सफलताओं और विफलताओं में समान भाव लेकर सारे कर्मों को कर। ऐसी समता ही योग कहलाती है।

अलसस्य कुतो विद्या अविद्यस्य कुतो धनम् ।

अधनस्य कुतो मित्रममित्रस्य कुतः सुखम् ॥

अर्थ: आलसी इन्सान को विद्या कहाँ, विद्याविहीन को धन कहाँ, धनविहीन को मित्र कहाँ, और मित्रविहीन को सुख कहाँ, अर्थात् जीवन में इंसान को कुछ प्राप्त करना है तो उसे सबसे पहले आलस वाली प्रवृत्ति का त्याग करना होगा।

उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत।

क्षुरासन्नधारा निशिता दुरत्यददुर्गं पथस्तत्कवयो वदन्ति॥

अर्थ: उठो, जागो, और अपने लक्ष्य को प्राप्त करो। तेरे रास्ते कठिन हैं, और वे अत्यन्त दुर्गम भी हो सकते हैं, लेकिन विद्वानों का कहना है कि कठिन रास्तों पर चलकर ही सफलता प्राप्त होती है।

षड् दोषाः पुरुषेणह हातव्या भूतिमिच्छता!

निद्रा तद्रा भयं क्रोधः आलस्यं दीर्घसूत्रता !!

अर्थ: किसी व्यक्ति के बर्बाद करने के लिए ये 6 लक्षण काफी होते हैं – नींद, गुस्सा, भय, तन्द्रा, आलस्य और काम को टालने की आदत।

न चोरहार्यं न राजहार्यं न भृतृभाज्यं न च भारकारि।

व्यये कृते वर्धति एव नित्यं विद्याधनं सर्वधनप्रधानम्॥

अर्थ: एक ऐसा धन जिसे चुराया नहीं जा सकता, जिसे कोई भी छीन नहीं सकता, जिसका भाइयों के बीच बँटवारा नहीं किया जा सकता, जिसे संभलना बिल्कुल भी मुश्किल नहीं है और जो खर्च करने पर और अधिक बढ़ता है, वह धन, विद्या है। विद्या सबसे श्रेष्ठ धन है।

आ नो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतोऽदब्धासो अपरीतास उद्भिदः।

देवा नोयथा सदमिद् वृधे असन्नप्रायुवो रक्षितारो दिवेदिवे॥

अर्थ: हमारे पास चारों ओर से ऐसे कल्याणकारी विचार आते रहें जो किसी से न दबें, उन्हें कहीं से बाधित न किया जा सके एवं अज्ञात विषयों को प्रकट करने वाले हों। प्रगति को न रोकने वाले और सदैव रक्षा में तत्पर देवता प्रतिदिन हमारी वृद्धि के लिए तत्पर रहें।

अमृतत्वस्य तु नाशास्ति वित्तेन ।

अर्थ: धन से अमरत्व प्राप्त नहीं किया जा सकता है।

सर्वज्ञः

नवमी अ



**PM
SHRI**
Creating holistic and well-rounded individuals
equipped with key 21st Century skills

THANK

YOU

धन्यवाद

NOTE: इस ई पत्रिका में प्रयोग की गई सामग्री विभिन्न स्रोतों से संकलित जानकारी पर आधारित है सभी स्रोतों का सम्मान और श्रेय उनके मूल लेखकों को जाता है।

PM SHRI KENDRIYA VIDYALAYA NO.3, SAGAR

Vidyalaya Family

